अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 23 लखनऊ, रविवार, 03 अगस्त 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

हम वही खरीदेंगे जो भारतीयों की मेहनत से बना हो : मोदी

- प्रधानमंत्री ने स्वदेशी अपनाने का किया आह्वान
- पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइल आतंकियों को तबाह कर देंगी : पीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शनिवार को देशवासियों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारे घरों में आने वाली हर नई वस्तु स्वदेशी होनी चाहिए और यह जिम्मेदारी हर भारतीय को निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम केवल वही चीजें खरीदेंगे जो भारतीयों द्वारा बनाई गई हैं। हमें लोकल के लिए वोकल बनने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी 51वीं बार पहुंचे और 2,183.45 करोड़ रुपये की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सावन का महीना हो, काशी जैसा पावन स्थान हो और किसानों से मिलने का सौभाग्य मिले, इससे बड़ा क्या हो सकता है। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को बाबा विश्वनाथ के चरणों में समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश की एकता की हर बात एक नई चेतना जगाती है और तभी ऑपरेशन सिंदूर सफल होता है। 140 करोड़ देशवासियों की एकता ही ऑपरेशन सिंदूर की ताकत बनती है

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने अपनी बेटियों को वचन दिया था, वह पूरा हुआ। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता महादेव के आशीर्वाद से संभव हुई। प्रधानमंत्री ने देश के दुश्मनों और आतंकवादियों को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत पर वार करने वालों को पाताल में भी जगह नहीं मिलेगी। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से परेशान हैं। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने आतंकियों के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मैं अपने भारतीयों से पूछना चाहता हूं कि आपको ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गर्व है कि नहीं। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है, आप मुझे बताइए सिंदूर कभी भी तमाशा हो सकता है क्या। क्या कोई सिंदूर को तमाशा कह सकता है क्या, कोई मुझे बताए क्या आतंकवादियों को भी मारने के लिए इंजतार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह नया भारत भोलेनाथ को भी पूजता है और समय आने पर दुश्मनों के सामने कालभैरव भी बन जाता है। उन्होंने बताया कि तस्वीरें देखी होंगी कि कैसे भारतीय ड्रोन और मिसाइलों ने सटीक वार करके आतंक के हेडक्वार्टर को खंडहर बना दिया। आज भी पाकिस्तान के कई सारे एयरबेस आईसीयू में हैं।

भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत दुनिया ने देखी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के स्वदेशी हथियारों की ताकत दुनिया ने देखी। हमारी वायु रक्षा प्रणालियों, मिसाइलों और ड्रोनों ने 'आत्मनिर्भर भारत' की ताकत साबित की है। खासकर ब्रह्मोस मिसाइलों ने। ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण अब लखनऊ में किया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने फिर कोई पाप किया तो यूपी में बनी मिसाइल आतंकियों को तबाह कर देंगी। कई प्रमुख रक्षा कंपनियां यूपी डिफेंस कॉरिडोर में अपने विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही हैं। भारत में निर्मित हथियार जल्द ही हमारी सेनाओं की ताकत बनेंगे। आज यूपी विकास कर रहा है, तो इसके पीछे भाजपा सरकार की नीतियां हैं। किसानों को 20वीं किस्तप्रधानमंत्री मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त का जिक्र करते हुए बताया कि अब तक देशभर के किसानों को लगभग 3.75 लाख करोड़ रुपये की राशि भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि काशी के किसानों को इस योजना के तहत 900 करोड़ रुपये की सम्मान राशि मिली है।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों और व्यापारियों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है और इसीलिए भारत को अपने आर्थिक हितों के प्रति सजग रहना होगा। हमारी सरकार देश के सर्वोत्तम हित में हर संभव प्रयास कर रही है। जो लोग देश का भला चाहते हैं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखना चाहते हैं, चाहे वह कोई भी राजनीतिक दल हो, उन्हें अपने मतभेद भुलाकर स्वदेशी उत्पादों के प्रति संकल्प लेना चाहिए। हम केवल वही चीजें खरीदेंगे जो भारतीयों द्वारा बनाई गई हैं। हमें लोकल के लिए वोकल बनने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को किसी भी भारतीय के पसीने और मेहनत से बने उत्पाद के रूप में परिभाषित किया और देशवासियों से ''वोकल फॉर लोकल'' के मंत्र को अपनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से ''मेक इन इंडिया'' उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे घरों में आने वाली हर नई वस्तु स्वदेशी होनी चाहिए और यह ज़िम्मेदारी हर भारतीय को निभानी चाहिए। उन्होंने प्रत्येक व्यापारी और दुकानदार से केवल स्वदेशी उत्पाद बेचने का संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि यही राष्ट्र की सच्ची सेवा होगी।

संक्षिप्त

पीएम किसान योजना किसानों के लिए वरदान : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को देश के किसानों के लिए वरदान बताया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को लगातार आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। गडकरी ने शनिवार को अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पीएम किसान योजना किसान कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम-किसान योजना की 20वीं किस्त जारी की। इस दौरान देश भर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई।

धन शोधन मामले में वाड्रा को नोटिस, अगली सुनवाई 28 अगस्त को

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने धन शोधन के मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को शनिवार को नोटिस जारी किया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने हरियाणा के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गुरुग्राम में एक जमीन सौदे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में यह नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान लेने से पहले वह वाड्रा और मामले के 10 अन्य के प्रस्तावित आरोपियों का पक्ष सुनेगी। ईडी ने उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। विशेष अदालत इस मामले में अगली सुनवाई 28 अगस्त को करेगी।

कुलगाम मुठभेड़ में दूसरा आतंकी भी ढेर, सेना का अभियान जारी

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के अखल वन क्षेत्र में चल रही मुठभेड़ में एक और आतंकवादी को मार गिराया गया है। इससे मरने वालों आतंकियों की संख्या बढ़कर 2 हो गई है। शनिवार को यह जानकारी अधिकारियों ने दी। शुक्रवार शाम को सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम द्वारा आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहले एक आतंकवादी मारा गया था अब एक और आतंकवादी मारा गया है।

कृषि कानूनों को लेकर अरुण जेटली ने मुझे धमकाया था: राहुल गांधी

- रोहन जेटली ने राहुल पर लगाया गलत बयानी का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि तीन कृषि कानूनों पर विरोध के दौरान तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली ने उनको धमकाया था। वहीं, अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने राहुल गांधी पर अपने पिता को लेकर गलतबयानी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके पिता के निधन के एक वर्ष बाद कृषि कानूनों को पेश किया गया था। राहुल गांधी ने

यहां के विज्ञान भवन में शनिवार को आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में कहा कि अरुण जेटली ने उनसे कहा था कि अगर वह सरकार का विरोध करते रहे और कृषि कानूनों पर लड़ते रहे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस पर उनका (राहुल) जवाब था कि कांग्रेस कायरों की पार्टी नहीं है और वह कभी झुकी नहीं, न अंग्रेजों के सामने और न अब झुकेगी।

दुश्मन के घर में घुसकर खात्मा करने का माद्दा रखता है नया भारत: योगी

- वाराणसी के लिए स्वीकृत हुईं हैं 51 हजार करोड़ की परियोजनाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में कई देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान समर्पित किया है। लोक कल्याण और विश्वकल्याण के लिए दुनिया उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में वाराणसी के सेवापुरी के बनौली गांव में आयोजित लोकार्पण/शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत पावन श्रावण मास में काशी आने पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार हो रहा होगा, जब कोई प्रधानमंत्री अपने क्षेत्र में 51वीं बार उपस्थित हुआ है। सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस अविनाशी काशी का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि काशी की आत्मा सनातन और आत्मीयता वैश्विक है। काशी 11 वर्ष में नूतन व पुरातन के साथ आध्यात्मिकता व आधुनिकता के नए संगम के रूप में दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है।

दिव्यांगजनों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्राप्त हो रहा अवसर

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सक्षम भारत की कल्पना को साकार करने में दिव्यांगजनों का भी बड़ा योगदान है। दिव्यांग प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया शब्द है। इस आत्मीयता के माध्यम से दिव्यांगजनों के जीवन में आशा और उत्साह का संचार होने के साथ ही उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए योगदान दे रहे अन्नदाता किसान

मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष पहले अन्नदाता किसानों की क्या स्थिति थी। किसान खेती से पलायन करते थे, आत्महत्या के लिए मजबूर होते थे, लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति खिन्नता थी परंतु 11 वर्ष में स्वायल हेल्थ कार्ड से लेकर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, बीज को बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था आदि के साथ ही जो ईकोसिस्टम बनाया गया है, उसका परिणाम है कि यूपी के भी करोड़ों किसान इन योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर व विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अपना योगदान देने को तैयार हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्राथमिक विद्यालयों के विलय पर रोक लगाने से किया इन्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के प्राथमिक विद्यालयों के विलय आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। कहा कि इस मामले में लखनऊ बेंच ने पहले ही फैसला सुना दिया है। यह टिप्पणी करते हुए याचिका निस्तारित कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह की एकलपीठ ने सुबोध और दो अन्य की याचिका पर दिया।

पीलीभीत निवासी सुबोध और दो अन्य ने याचिका दाखिल कर राज्य सरकार के 16 जून 2025 के

- कहा, लखनऊ बेंच ने विवाद पहले ही सुलझा दिया

प्राथमिक विद्यालयों के विलय आदेश को रद्द करने की मांग की थी। साथ ही प्राथमिक विद्यालय चांदपुर, विकासखंड बिलसंडा, जिला पीलीभीत के कामकाज में प्रतिवादियों के हस्तक्षेप पर रोक लगाने की मांग की गई थी। बेसिक शिक्षा अधिकारी पीलीभीत के 25 जून 2025 के आदेश को रद्द करने की भी मांग की गई थी। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि विलय से विद्यालय के संचालन और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। इसलिए इस पर तत्काल रोक जरूरी है। वहीं राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि इसी मुद्दे पर लखनऊ खंडपीठ ने 7 जुलाई 2025 को आदेश पारित कर दिया था और सम्बंधित याचिका खारिज कर दी थी।

प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा, पांच लाख का जुर्माना

- मैंने कुछ भी गलत नहीं किया : रेवन्ना

बेंगलुरु। रेप के मामले में बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद और जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने दोषी पर कुल 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने शुक्रवार को 34 वर्षीय रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार

मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। यह मामला 48 वर्षीय उस महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा में स्थित रेवन्ना परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में सहायिका के रूप में काम करती थी। वर्ष 2021 में उसके साथ दो बार बलात्कार किया गया था और आरोपी ने इस कृत्य को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया था।

इससे पहले दिन में रेवन्ना ने कम सजा दिए जाने की अपील की और दावा किया कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया। जद(एस) के निलंबित नेता ने अदालत से कहा कि वह मेकैनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई कर चुका है और हमेशा योग्यता के आधार पर उत्तीर्ण हुआ है। पूर्व सांसद ने कहा, ''...वे कहते हैं कि मैंने कई महिलाओं के साथ बलात्कार किया है, लेकिन कोई भी महिला स्वेच्छा से शिकायत करने नहीं आई है, वे चुनाव (पिछले साल लोकसभा चुनाव) से छह दिन पहले आई थीं... अभियोजन पक्ष उन्हें जानबूझकर लेकर आया और शिकायत दर्ज करवाई।'' प्रज्वल ने कहा कि महिला (पीड़िता) ने कथित बलात्कार के बारे में अपने पति या रिश्तेदारों समेत किसी से भी शिकायत नहीं की थी। प्रज्वल ने कहा कि जब कुछ वीडियो प्रसारित हुए, तो उसने आकर शिकायत दर्ज कराई।

चुनाव आयोग ने बीएलओ स्तर के अधिकारियों का परिश्रम किया दोगुना

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का पारिश्रमिक दोगुना करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही आयोग ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और सहायक अधिकारियों को भी मानदेय देने का निर्णय किया है। आयोग ने शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि मतदाता सूची बनाने और पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारियों के पारिश्रमिक में महत्वपूर्ण वृद्धि की गई है। बीएलओ का वार्षिक पारिश्रमिक दोगुना कर दिया है। इसके अलावा, बीएलओ पर्यवेक्षकों के पारिश्रमिक में भी वृद्धि की गई है। चुनाव आयोग ने कहा है कि इसके साथ ही पहली बार निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी को भी मानदेय देने का निर्णय लिया गया है। पिछली बार इस संबंध में संशोधन 2015 में किया गया था। आयोग ने संशोधित पारिश्रमिक का विवरण देते हुए कहा कि बूथ लेवल अधिकारी को 6000 से 12000, मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बीएलओ को प्रोत्साहन राशि 1000 से 2000, बीएलओ पर्यवेक्षक को 12000 से 18000 तथा सहायक पंजीकरण अधिकारी को अब 25000 रुपए रुपए मिलेंगे। इसी तरह से सहायक पंजीकरण अधिकारी को 30000 देने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ राहत के लिए 'टीम-11' का किया गठन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में हालिया बाढ़ की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए अपने मंत्रियों की एक विशेष 'टीम-11' का गठन किया है। यह टीम बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में राहत कार्यों की निगरानी करेगी और सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पीड़ित सहायता से वंचित न रह जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह समय संवेदनशीलता, तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का है। राज्य सरकार हर नागरिक की सुरक्षा, भोजन, आवास और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी पूरी प्रतिबद्धता से निभाएगी। उन्होंने दो टूक कहा कि राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रभारी मंत्री तत्काल अपने-अपने जिलों का दौरा करें, राहत शिविरों का निरीक्षण करें और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद स्थापित कर जमीनी स्थिति की समीक्षा करें। जिलों के डीएम, एसपी, सीएमओ सहित समस्त वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में रहें और 24ब7 निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखें। मुख्यमंत्री ने तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी, जलभराव वाले गांवों से पानी की शीघ्र निकासी, एवं राहत शिविरों में भोजन, दवा, शौचालय, साफ-सफाई तथा महिलाओं व बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत सामग्री और भोजन पैकेट की आपूर्ति समयबद्ध और गुणवत्तायुक्त होनी चाहिए। किसी भी स्थिति में खाद्यान्न की गुणवत्ता या मात्रा से समझौता न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ़ के कारण जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, जहां नदी के कटाव

से भूमि का नुकसान हुआ है या फिर जिन परिवारों की गृहस्थी का सामान नष्ट हो गया है, ऐसे सभी मामलों में 24 घंटे के भीतर सहायता राशि प्रदान की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि यह सहायता स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के माध्यम से ही वितरित की जाए ताकि व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और लाभार्थियों तक मदद समय पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने पशुधन की सुरक्षा को भी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है,

- 12 बाढ़ प्रभावित जिलों के लिए 11 प्रभारी मंत्रियों की तैनाती

वहां पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए और वहां चारे तथा पशुचिकित्सा की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित इलाकों के सभी चिकित्सालयों में एंटी स्नेक वेनम और एंटी रैबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्पदंश जैसी स्थितियों में एक भी पीड़ित हो, तो उसका इलाज त्वरित और प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि राहत आयुक्त की ओर से जारी अर्ली वार्निंग अलर्ट को संबंधित जनपदों की आम जनता तक तत्काल पहुंचाया जाए। सभी संबंधित विभाग आपदा प्रबंधन के प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करें। शहरी क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए नालों की सफाई और पंपिंग स्टेशनों को क्रियाशील रखा जाए। उन्होंने पंपिंग स्टेशन के संचालन हेतु वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति के लिए जनरेटर की भी व्यवस्था करने को कहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि किसानों की फसलों का त्वरित सर्वेक्षण कराया जाए और राजस्व एवं पंचायतीराज विभाग के माध्यम से सहायता वितरण की प्रक्रिया को तेज व पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी की फ्लड यूनिट्स की तैनाती के माध्यम से राहत कार्यों को प्रभावशाली रूप से संचालित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर त्वरित सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे जनता में भ्रम न फैले और संकट काल में संचार तंत्र सशक्त बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि बाढ़ से किसी भी जिलों में जनहानि न हो। इस दिशा में प्रत्येक जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निकाय और ग्रामीण विकास से जुड़े अधिकारी आपसी समन्वय और संवाद से कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के माध्यम से जनता से सतत संपर्क बना रहे। राहत कार्यों के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का व्यवहार शालीन, संवेदनशील और मानवीय हो, जिससे पीड़ितों को मानसिक संबल मिले। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया है कि सभी 12 बाढ़ प्रभावित जिलों की उच्चस्तरीय निगरानी की जाए और मुख्यमंत्री कार्यालय को नियमित रूप से अद्यतन जानकारी भेजी जाए।

समाधान दिवस में महिला डीएम से बोली बेटे को मार डाला, हमें भी मार डालेंगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील में समाधान दिवस कार्यक्रम के दौरान एक दृश्य ने सभी को हिलाकर रख दिया। डीएम विशाख जी के सामने पहुंची एक महिला अचानक दहाड़े मारकर रोने लगी। इससे वहां मौजूद सभी अधिकारी और फरियादी स्तब्ध रह गए। डीएम ने जब महिला की समस्या पूछी तो उसने अपना नाम काकोरी के बेहटा की रहने वाली विजय लक्ष्मी बताया। महिला ने बताया कि उसके 29 वर्षीय बेटे अंकित राजपूत की जमीनी विवाद में 19 फरवरी को हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया गांव के ही सुमित कनौजिया, गोलू यादव, टउंवा और अखिलेश ने बेटे को गोली मार दी थी। सात लोगों को जेल हुई थी। अब वे सभी जेल से बाहर आ गए हैं और परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके प्लाटिंग कर रहे हैं। उसे बेच रहे हैं। इस संबंध में वह कई बार लेखपाल और अन्य अधिकारियों से शिकायत कर चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला की शिकायत सुनने के बाद जिलाधिकारी ने तुरंत सरोजनी नगर के एसडीएम और अन्य संबंधित अधिकारियों को इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। सरोजनी नगर तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह चौहान और महामंत्री राजेंद्र यादव के नेतृत्व में पहुंचे तमाम वकीलों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर लखनऊ कलेक्ट्रेट में चल रही सरोजनी नगर उप जिलाधिकारी की न्यायिक कोर्ट को सरोजनी नगर तहसील में स्थानांतरित करने की मांग की। साथ ही चकबंदी गांव की खतौनी एक सप्ताह में बनवाने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा अधिवक्ता स्थल के पास आने जाने के लिए बनी पुलिया को तोड़ दिया गया है, उसे तत्काल बनाया जाए। न्यायिक कोर्ट के अधिकारी 5 बजे के बाद ही अपने आवास पर जाएं। साथ ही अधिवक्ता स्थल में सुलभ शौचालय बनवाने और तहसील गेट पर यातायात पुलिस की व्यवस्था करने की मांग की। बंथरा के बृजेश कुमार सिंह ने शिकायत दर्ज कराई कि करीब साल भर पहले बंथरा बाजार स्थित सुषमा एजुकेशन सोसाइटी के नाम से पार्लर और सिलाई कढ़ाई दुकान के लिए विद्युत कनेक्शन लिया गया था। तब बिजली विभाग द्वारा मीटर नहीं लगाया गया। कई बार शिकायत की गई, लेकिन मीटर नहीं लगा। पिछले करीब तीन माह पहले गहरू पावर हाउस के अवर अभियंता विनय कुमार द्वारा मीटर ना लगे होने के कारण जबरदस्ती कनेक्शन काट दिया गया।जब इसकी शिकायत की गई तो अवर अभियन्ता ने पीडी होने की बात कही। लेकिन पीडी की कोई रसीद नहीं दी गई। पीड़ित का कहना है कि इसके बावजूद विद्युत बिल बराबर आ रहा है। उसका कहना है कि या तो मीटर लगाकर कनेक्शन जोड़ा जाए या फिर पीडी की रसीद देने के साथ लगातार आ रहे विद्युत बिल बंद किए जाएं।

ऑपरेशन कायाकल्प से स्कूलों में शौचालय, बिजली व पुस्तकालय की सुविधाएं बढ़ीं

लखनऊ। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा का जो ढांचा था, वह कमजोर, अनियोजित और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था। अधिकांश प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय, पीने का पानी, पुस्तकालय, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं थीं। लेकिन बीते 8 वर्षों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में ऑपरेशन कायाकल्प, समग्र शिक्षा, पीएम श्री योजना और प्रेरणा ऐप जैसे अनेक नवाचारों से शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है। योगी सरकार के बीते आठ वर्षों में बेसिक शिक्षा का ढांचा केवल बदला नहीं, बल्कि भविष्य के अनुकूल बना है। जहां एक समय यूपी के स्कूलों को ''खस्ताहाल'' माना जाता था, वहीं आज वही स्कूल स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा, शौचालय, पुस्तकालय, सुरक्षा, छात्रवृत्ति और पोषण जैसे सभी पहलुओं में देश में उदाहरण बन चुके हैं।

यूपी में तीन चरणों में मनाया जायेगा तिरंगा महोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर उत्तर प्रदेश सरकार ने तिरंगा महोत्सव को तीन चरणों में मनाये जाने का निर्णय लिया है। पहला चरण आज यानी शनिवार से शुरू होकर आठ अगस्त तक संचालित होगा जबकि दूसरा चरण 9 से 12 अगस्त तक मनाया जायेगा। इसी तरह 13 अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक संचालित होगा।

इस बावत मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव,प्रमुख सचिव सहित जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने ' आज़ादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में 2022 में हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया था। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक सम्बन्ध बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। तिरंगे के साथ सेल्फी, प्रभात फ़ेरी, तिरंगा रैलियाँ (बाइक और साइ?किल रैलियों सहित), तिरंगा प्रदर्शनियाँ, और अन्य जमीनी स्तर की जन-भागीदारी जैसी गतिविधियों ने 'स्वतन्त्रता दिवस समारोह' को देशभक्ति से भरपूर और देश भर में व्यापक रूप से मनाया जाने वाला उत्सव बना दिया है। यह अभियान जनता के लिए उन स्वतन्त्रता सेनानियों और सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर भी है, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा और तिरंगे के सम्मान में अपने प्राणों की आहुति दी है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उत्तरप्रदेश में 'हर घर तिरंगा अभियान 2025' को तीन चरणों में मनाया जायेगा. पहले चरण के अंतर्गत स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा से प्रेरित कला से सजाने के साथ ही स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। साथ ही तिरंगा राखी बनाने की कार्यशालाएँ और प्रतियोगिताएँ आयोजित किये जायेंगे तथा सैनिकों और पुलिसकर्मियों को 'आभार पत्र' लिखकर 'डाक विभाग' के समन्वय से राखियाँ भेजी जाएगी।

सार्वजनिक स्थानों/बाज़ारों को तिरंगा के रंगों को प्रदर्शित करने के लिए तिरंगे के धागों युक्त 'तिरंगा बुनाई प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. दूसरे चरण में तिरंगा महोत्सव' के रूप में एक बडा आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक ही दिन वृहद 'तिरंगा मेला' और 'भव्य तिरंगा म्यूज़िकल कॉसर्ट' आयोजित किया जाना शामिल रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश को नई दिशा दी: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव काशी और उत्तर प्रदेश को लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से नई ऊर्ज़ा और एक नई दिशा दी है। उप मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि आज पुन: काशी के अपने परिवारजनों को विभिन्न विकास परियोजनाओं को समर्पित करने के लिए आपका हृदय से कोटिश: आभार! केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि भारत की आत्मा गाँव, गरीब, युवा, महिला और किसान में बसती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 वर्षों के कुशल नेतृत्व में इसी आत्मा को 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़ा है। विदित हो कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी में लगभग 2,200 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही अन्नदाता किसानों के सम्मान और सशक्तिकरण हेतु 'पीएम किसान सम्मान निधि' की 20वीं किस्त भी जारी की जाएगी।

भाजपा सरकार में विकास की परियोजनाओं को मिल रही रफ्तार: पाठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को कहा कि भाजपा सरकार में विकास को नई रफ्तार मिल रही है। श्री पाठक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा ल्ल आज यूपी इतनी तेज गति से औद्योगिक विकास कर रहा है। देश और दुनिया की बड़ी बड़ी कंपनियां यहां निवेश कर रही हैं, इसके पीछे भाजपा की विकासपरक नीतियों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने लिखा सपा के समय में यूपी में अपराधी बेखौफ थे, निवेशक यहां आने से भी डरते थे। लेकिन भाजपा की सरकार में अपराधी में खौफ है, और निवेशक यूपी के भविष्य में भरोसा देख रहे हैं... मैं विकास की इस रफ्तार के लिए यूपी सरकार को बधाई देता हूं। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुरुवार को ही वाराणसी पहुंच गये थे। उनके अलावा दूसरे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी वाराणसी पहुंचे हैं। यहां पहुंचने के बाद दोनों नेताओं बी काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था।

पुलिस चौकी के पीछे पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में खुर्रमनगर चौकी के पीछे एक शव फंदे से लटकता मिला। शव को लटकता देख रोड पर भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को उतारकर शिनाख्त करने में लगी है। इंदिरानगर की खुर्रमनगर चौकी के पीछे शनिवार दोपहर करीब 2.30 बजे जंगल में एक युवक फंदे से लटकता मिला। बारिश से बचने के लिए लोग फ्लाईओवर के नीचे खड़े थे। इस दौरान किसी व्यक्ति की नजर उस पर पड़ी। जिसके बाद वहा भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस पहले बारिश बंद होने की इंतजार की। बारिश न रुकने पर जंगल में जाकर शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस युवक की शिनाख्त में लगी है।

काश, मोदी काशी की सच्चाई भी मन से पढ़ते: अजय राय

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे से पूर्व कांग्रेस के प्रदेश अजय राय ने उन पर तंज कसते हुये शनिवार को कहा कि काश प्रधानमंत्री वाराणसी की सच्चाई को भी मन से पढ़ते। 2024 के लोकसभा चुनाव में श्री मोदी के खिलाफ कांग्रेस के उम्मीदवार रहे श्री राय ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ल्ल प्रधानमंत्री जी का ट्वीट पढ़ा। काश आप कभी वाराणसी की सच्चाई भी इतने मन से पढ़ते, जितना हम आपके वादों को सुनते रहे हैं। आप फिर काशी आ रहे हैं । करोड़ों की घोषणाओं और कैमरों के शोर के साथ। लेकिन काशी अब सवाल कर रही है। क्या आपने कभी किसी गली में पैदल चलकर यहां के हालात देखे। उन्होंने लिखा ल्लक्या बीएचयू या किसी विश्वविद्यालय की कक्षा में जाकर छात्रों से पूछा कि उनका भविष्य कैसा दिखता है। क्या किसी किसान से, किसी छोटे दुकानदार से, किसी रिक्शे वाले या महिला समूह से आमने-सामने बात की। हर बार मंच, माइक और मीडिया । लेकिन काशी की असल तस्वीर उस वीडियो में नहीं दिखती।

महिला ने तहसील दिवस में आत्मदाह का किया प्रयास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को मोहनलाल गंज तहसील दिवस में पहुंची एक महिला ने आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने महिला को बचाया और गोसाईगंज थाने के सुपुर्द कर दिया। पुलिस महिला से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आत्मदाह का प्रयास करने वाली महिला का नाम सीमा वर्मा है। वह सराय करौरा की रहने वाली है। उसका पति और ससुरालियों से सम्पति को लेकर विवाद चल रहा है। जिसका विधिसम्मत परीक्षण कर समुचित निस्तारण भी कराया जा चुका है। पूर्व में भी दोनों के बीच मध्यस्थता कराई गई, लेकिन तालमेल नहीं बैठा। ससुराल पक्ष स्पष्ट रूप से महिला को किसी भी प्रकार की संपत्ति में भागीदारी देने या गृह प्रवेश से इनकार कर चुके हैं। महिला उचित विकल्प न अपनाकर दवाब बनाने के लिए आज ज्वलनशील पदार्थ लेकर तहसील दिवस पर पहुंच गई थी। प्रकरण पूरी तरह दीवानी प्रकृति एवं मध्यस्थता केन्द्र का है। महिला के प्रार्थना पत्र पर थाना गोसाईगंज पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विस चुनाव से पहले योगी सरकार के एजेंडे को धार देंगे गोयल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसपी गोयल को नया मुख्य सचिव बनाया है। अधिकारियों की माने तो नए मुख्य सचिव एसपी गोयल विधानसभा चुनाव 2027 के लिहाज से योगी सरकार के एजेंडे को धार देने का काम करेंगे।

हालांकि उनके कार्यकाल के दौरान कई वरिष्ठ नौकरशाहों की उम्मीदों पर भी पानी फिर जाएगा जो देश के सबसे बड़े राज्य के सबसे बड़े प्रशासनिक पद पर बैठने की उम्मीद पाले बैठे थे।

उच्च पदस्थ सूत्रों की माने तो सत्ता के गलियारों में अभी से इस बात की चर्चा भी शुरू हो चुकी है कि चुनाव अवधि के दौरान प्रशासनिक निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए गोयल को कम से कम तीन महीने का विस्तार मिल सकता है। उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सचिव शशि प्रकाश गोयल का राज्य नौकरशाही के शीर्ष पर लंबा कार्यकाल तय है क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति लगभग 18 महीने बाद जनवरी 2027 के अंत में होनी है। उनका संभावित लंबा कार्यकाल उन्हें विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय देगा।

एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने बताया, ल्ल एसपी गोयल को राज्य और केंद्र दोनों सरकारों के एक विश्वसनीय अधिकारी के रूप में उभरे हैं। आने वाले समय में गोयल चुनावी वर्ष के दौरान प्रशासन को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। उन पर केंद्र और राज्य सरकार की बहुचर्चित योजनाओं को धरातल पर उतारने का जिम्मा होगा जिसका लाभ सरकार को चुनाव के दौरान मिल सके।

1989 बैच के आईएएस अधिकारी को गुरुवार को मनोज कुमार सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद श्री गोयल को मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। सिंह ने 30 जून 2024 को कार्यभार संभाला था। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ल्ल गोयल 2017 से मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रमुख सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे। हाल के वर्षों में डीएस मिश्रा (30 महीने), आरके तिवारी (27 महीने) और जावेद उस्मानी (26 महीने) के बाद सबसे लंबे कार्यकाल में से एक होने की ओर अग्रसर हैं। उनके लंबे कार्यकाल के दौरान एक दर्जन से ज़्यादा आईएएस अधिकारियों की उम्मीदों पर पानी फिर जाएगा क्योंकि गोयल का कार्यकाल पूरा होने तक वे सभी सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

गोयल के कार्यकाल की समाप्ति से पहले सेवानिवृत्ति होने वाले प्रमुख नौकरशाहों में दीपक कुमार भी शामिल हैं जो वर्तमान में कृषि उत्पादन आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी शामिल हैं। गोयल के साथ दीपक कुमार और चतुर्वेदी दोनों ही मुख्य सचिव पद के प्रबल दावेदार थे। देवेश चतुर्वेदी 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वह गोयल से एक साल पहले फरवरी 2026 में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। 1990 बैच के अधिकारी दीपक कुमार अक्टूबर 2026 में रिटायर हो जाएंगे।

इसके अलावा आईएएस अधिकारी मनोज सिंह (1989 बैच) हैं जो इस साल दिसंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष अनिल कुमार (1989 बैच) हैं जो मई 2026 में सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। अन्य अधिकारी हिमांशु कुमार (1990), एसएम बोबडे (1990), अर्चना अग्रवाल (1990), कामरान रिज़वी (1991), एल वेंकटेश्वरलु (1991), अमित कुमार घोष (1994) और सुभाष चंद्र शर्मा (1996) हैं।

गोयल के राज्य और केंद्रीय नेतृत्व दोनों के साथ उनकी निकटता के कारण चुनाव अवधि के दौरान और संभवतः उसके बाद भी पद पर बने रहने की संभावना है। दोनों जगहों पर गोयल की अच्छी पकड़ होने की वजह से राज्य के शीर्ष प्रशासनिक पद पर उनकी पकड़ और मजबूत होगी क्योंकि योगी सरकार एक महत्वपूर्ण चुनावी वर्ष में प्रवेश कर रही है।

एलडीए पर 50 हजार का जुर्माना, हाईकोर्ट ने फटकारा

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) पर हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि एलडीए ने सहारा बाजार में दुकानदार को बिना नोटिस दिए ही दुकान सील कर दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने इस कार्रवाई को संविधान के अनुच्छेद 300। का उल्लंघन मानते हुए दुकान मालिक को उसका तत्काल कब्जा लौटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने एलडीए पर 50,000 का हर्ज़ाना भी लगाया है। याचिकाकर्ता मोहम्मद जाइमुल इस्लाम ने कोर्ट में बताया कि उन्होंने लखनऊ के सहारा बाजार, विभूति खंड, गोमती नगर स्थित दुकान संख्या 112, अपर ग्राउंड फ्लोर को 22 नवंबर 2000 को सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड से पंजीकृत बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदा था। यह दुकान सहारा को लखनऊ विकास प्राधिकरण से 30 साल की लीज पर मिली थी, जिसमें शर्त थी कि वह दुकान किसी को ट्रांसफर कर सकता है, लेकिन ट्रांसफर चार्ज जमा करना होगा। याचिकाकर्ता ने सभी आवश्यक चार्ज जमा कर दिए थे और तब से वह दुकान का वैध मालिक हैं।

यूपी में स्कूल बंदी के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की अगुवाई में हुए इस धरने में बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार मुर्दाबाद के नारे लगाए और सरकारी नीतियों को गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के खिलाफ बताया। धरना स्थल पर मीडिया से बात करते हुए संजय सिंह ने कहा, प्रदेश सरकार शिक्षा के नाम पर मजाक कर रही है। उत्तर प्रदेश में 27,000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद किया जा रहा है, और इसके स्थान पर सरकार 27,000 मधुशालाएं खोलने की तैयारी में है। ये बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जिन स्कूलों को बंद किया जा रहा है, उनमें ज्यादातर मजदूर, दलित और गरीब तबके के बच्चे पढ़ते हैं। ऐसे में स्कूल बंद होने से शिक्षा से उनकी दूरी और बढ़ेगी। ल्लहम इस फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। सदन में मुद्दा उठाया, सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। संजय सिंह ने बताया कि जब योगी सरकार ने पहले चरण में 5000 स्कूल बंद करने का निर्णय लिया था, तब आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गांव-गांव गए थे। हर जिले में लोगों की पीड़ा सुनी, देखा कि किस तरह से एक पिता बच्चे को स्कूल छोड़ने जाता है और मां उसे लाने जाती है। अब स्कूल इतनी दूर कर दिए गए हैं कि बच्चे शिक्षा से ही वंचित हो रहे हैं, उन्होंने कहा। उन्होंने दावा किया कि स्कूल बंद होने से न केवल शिक्षा का अधिकार प्रभावित हो रहा है, बल्कि ग्रामीण इलाकों में बालिका शिक्षा पर भी सीधा असर पड़ रहा है। गरीब बच्चों के लिए शिक्षा का जो एकमात्र साधन था, वही अब धीरे-धीरे खत्म किया जा रहा है। प्रदर्शन में 69000 शिक्षक भर्ती से जुड़े छात्र भी बड़ी संख्या में पहुंचे। उनका कहना था कि पहले ही भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते रहे हैं, और अब स्कूलों को ही बंद कर दिया जा रहा है। एक अभ्यर्थी ने कहा, ल्लहमने वर्षों मेहनत की है, लेकिन सरकार न हमें नियुक्ति दे रही है और न शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कोई मंशा दिख रही है। संजय सिंह ने धरने के अंत में कहा कि उनकी लड़ाई रंग लाने लगी है। सरकार ने अपने फैसले में आंशिक संशोधन किया है।एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित स्कूल बंद नहीं होंगे। जो स्कूल नेशनल हाईवे या स्टेट हाईवे पार करके जाने पर स्थित हैं, वे भी बंद नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा, यह हमारी पूरी जीत नहीं है, लेकिन ये एक बड़ी शुरुआत है। हम तब तक संघर्ष करेंगे जब तक सरकार अपने पूरे फैसले को वापस नहीं लेती। आम आदमी पार्टी ने सरकार से यह मांग की कि वह यह साफ करे कि किन-किन स्कूलों को बंद किया जा रहा है। पार्टी ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर बड़े स्तर पर जनआंदोलन छेड़ा जाएगा और जरूरत पड़ी तो पूरे प्रदेश में प्रदर्शन किया जाएगा।

बिना लाइसेंस परोस रहे थे हुक्का, 34 लोग गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की अलीगंज पुलिस ने अवैध हुक्का बार में छापा मारकर 34 लोगों को गिरफ्तार किया है। यहां बालिग और नाबालिगों को हुक्का परोसकर नशे का आदी बनाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 25 हुक्के भी बरामद किए हैं। बार मालिक दावा करता था कि हुक्का बार लाइसेंसी है। इंस्पेक्टर अलीगंज ने बताया कि शुक्रवार देर करीब 12 बजे सूचना मिली कि अल्कापुरी तिराहे के पास कोको आईकॉन कैफ़े में अवैध रूप से हुक्का बार चलाया जा रहा है। जहां नाबालिग लड़कों और लड़कियों को लाइसेंस होने का झांसा देकर बुलाया जाता है। हुक्का पिलाकर नशे का आदी बनाया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कैफ़े में छापा मारा। जहां मौके से कई लोग हुक्का पीते मिले। पुलिस कार्रवाई करते हुए 34 लोगों को थाने लेकर आई, जिनमें ग्राहक और कर्मचारी शामिल हैं। मौके के कैफ़े के मालिक संदीप और अलीम फरार हो गए।

भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध और अद्भुत है: नम्रता पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेन्द्र नगर में शनिवार को भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला समिति द्वारा हरितिमा उत्सव का आयोजन किया गया। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम सावन की ऋतु और भारतीय लोक परंपराओं को समर्पित था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जो ज्ञान, सकारात्मक ऊर्ज़ा और सांस्कृतिक गरिमा का प्रतीक है। वातावरण में भक्ति और उल्लास का भाव व्याप्त हो गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मंजुला उपाध्याय ने अतिथियों का पारंपरिक रूप से चुनरी, पौधा और पेंटिंग भेंटकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी नम्रता पाठक, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्णा देवी महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सारिका दुबे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में आमंत्रित कलाकारों की प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। शास्त्रीय एवं लोक गायिका डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने बरसे सावन जैसी मनमोहक कजरी प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। लोक गायिका गीता सिंह, संगीत शिक्षिका सुषमा अग्रवाल एवं शिक्षिका डॉ. सुमन मिश्रा ने 'गरजे बरसे रे बदरिया', 'झमक के बरसो' तथा 'श्रावण मास यमुना तीरे' जैसी कजरी, झूमर और झूला गीत प्रस्तुत कर वातावरण को मानसूनी रंगों से भर दिया। पूनम त्रिपाठी ने अपनी ढोलक से संगत की। नम्रता पाठक ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति अत्यंत समृद्ध और अद्भुत है। सावन का महीना प्रकृति, भक्ति और पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, जब भगवान शिव शक्ति के साथ विचरण करते हैं। यह ऋतु प्रकृति की सुंदरता और उसके हमारे जीवन में महत्व को रेखांकित करती है। हमारे त्योहार हमें ऊर्ज़ा से भर देते हैं वहीं ऊर्ज़ा हमें कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। मैं इस कार्यक्रम के लिए महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देती हूं। प्रो. सारिका दुबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। उन्होंने बताया कि हमारी संस्कृति प्रकृति में समाहित है कृ हम गाय को माता, भूमि और नदियों को देवी मानते हैं। श्रावण मास के दौरान हमारी धरती माँ को रजस्वला माना जाता है, इसलिए नदियों में स्नान वर्जित रहता है। उन्होंने श्रावण के सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व दोनों को रेखांकित किया। अंत में उन्होंने महाविद्यालय की प्राचार्या एवं आयोजन समिति को सुंदर आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कलाकारों को बधाई एवं छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान किया। प्राचार्या ने सभी को श्रावण मास और हरितिमा उत्सव की शुभकामनाएँ देते हुए समस्त अतिथियों एवं कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने समिति के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी और आशीर्वचन देते हुए कहा कि 'हरा रंग उन्नति और जीवन का प्रतीक है', आप सभी यूँ ही जीवंत और ऊर्ज़ावान बने रहें। उन्होंने छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उनके द्वारा लगाए गए स्टाल की भी विशेष प्रशंसा की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने पारंपरिक कजरी गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरे माहौल में लोक-संस्कृति की जीवंतता भर गई। छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया कृ नेहा मिश्रा और शगुन सिंह ने लोक नृत्य प्रस्तुत किए, जबकि आशी गुप्ता ने कजरी नृत्य से सभी का मन मोह लिया। महाविद्यालय की शिक्षिकाएँ सुनीता सिंह, डॉ. चंदन मौर्य, डॉ. स्नेहा और डॉ. अंजुला डा स्नेहा द्वारा प्रस्तुत लोकगीतों ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। कई छात्राओं ने मेहंदी, श्रृंगार का सामान,घेवर , अनरसे, ठेकुआ ,फरे के पारंपरिक व्यंजनके स्टाल लगाए। जबकि अन्य ने फूड स्टॉल्स के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। इस आयोजन की सफलता का श्रेय आयोजन समिति की समर्पित टीम को जाता है, जिसमें प्रो. सीमा सरकार, डॉ. आभा पाल, डॉ. अपूर्वा अवस्थी, श्रीमती ललिता पांडेय एवं सुश्री नेहा पांडेय शामिल थीं। महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने हरितिमा उत्सव को भारतीय लोक संस्कृति का एक जीवंत, रंगीन और स्मरणीय उत्सव बना दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन समिति की समन्वयक प्रो सीमा सरकार ने किया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी की भर्ती का रास्ता साफ, जल्दी ही जारी हो सकता है विज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी बीईओ की भर्ती का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद उत्तर प्रदेश शैक्षिक सामान्य शिक्षा संवर्ग सेवा संशोधित नियमावली 1992 को जारी कर दिया गया है, जिससे न केवल भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुगम बनाया गया है, बल्कि वर्षों से चली आ रही कानूनी पेचिदगियों को भी दूर किया गया है। संशोधित नियमावली में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव शैक्षिक योग्यता से ष्समकक्षताष शब्द को हटाना है। पहले नियमों के तहत, उम्मीदवार को स्नातकोत्तर उपाधि या समकक्ष उपाधिष धारक होना अनिवार्य था। इसका अर्थ यह हुआ करता था कि कोई भी अपनी डिग्री को समकक्ष बताकर आवेदन कर सकता था, जिससे बाद में कानूनी विवाद और मुकदमेबाजी की स्थिति बनती थी। संशोधन के बाद केवल उन्हीं उम्मीदवारों को पात्र माना जाएगा जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय, मानित विश्वविद्यालय या संस्था से प्राप्त स्नातकोत्तर उपाधि होगी। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि अब कोई भी बिना स्पष्ट मान्यता की उपाधि के आवेदन नहीं कर सकेगा।पुरानी नियमावली में एलटी डिप्लोमा, बीटीसी, बीएड या समकक्ष उपाधि को अधिमानी अर्हता के रूप में मान्यता प्राप्त थी लेकिन संशोधित नियमों में एलटी डिप्लोमा और बीटीसी को हटा दिया गया है। अधिमानी योग्यता के रूप में केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी जिन्होंने एनसीटीई से मान्यता प्राप्त संस्था से बीएड की उपाधि प्राप्त की हो। यह बदलाव यह संकेत देता है कि अब शिक्षा विभाग की मंशा एक स्पष्ट, विवादरहित और गुणवत्ता-आधारित चयन प्रक्रिया अपनाने की है।

पैमाइश के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में कराया जाये: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शनिवार को तहसील सवायजपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने आमजन की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने सुनवाई के दौरान सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि विवाद के स्थायी समाधान के लिए थाकबंदी के प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कराया जाये। पैमाइश के प्रकरणों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा में कराया जाये। अंश निर्धारण व अंश संशोधन के प्रकरणों के निस्तारण में देरी न की जाये। चकरोड मार्ग पर कब्जे की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए टीम तत्काल मौके पर जाये। पात्रों को नियमानुसार कृषि,आवासए मत्स्य पालन व कुम्हारी कला के पट्टों का आवंटन किया जाये। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा कि गंभीर भूमि विवाद की दशा में राजस्व विभाग व पुलिस की टीम मौके पर जाये। लोगों को न्याय दिलाने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाये। समाधान दिवस में पात्रों का मौके पर ही वृद्धावस्था पेंशनए निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाये गए। पात्र बच्चों को बाल सेवा योजना व स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराया गया। समाधान दिवस में एक महिला ईश्ववती जिनके पति का देहांत हो चुका है, के दो बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से आच्छादित कराया गया। एक महिला का निराश्रित महिला पेंशन हेतु पंजीकरण कराने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। पूर्ति विभाग को उन्होंने पात्रता की जाँच कर राशन कार्ड बनवाने को कहा। समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने हाल में विकास खण्ड स्तर पर लगाए गए कैम्प में जिन बच्चों के जन्म प्रमाण प्रमाण पत्र बनाये गए थे, उनमे से कुछ बच्चों को अपने हाथों से जन्म प्रमाण पत्र वितरित किये।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सवायजपुर मयंक कुंडू, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह व सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस पर सम्मानित हुए किसान

■ पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस पर पीएम सम्मान निधि की 20वीं किस्त किसानों के खाते में भेजने का प्रधानमंत्री मोदी का सजीव प्रसारण विकासखंड सभागार कछौना में किया गया, जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि किसान सम्मान निधि किसानों के जीवन में बदलाव लाई हैए किसान सम्मान निधि सीधे किसानों के खाते में जाती हैए जिसमें बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं है!जबकि पूर्ववर्ती सरकारों में किसानों के जीवन में सुधारात्मक बदलाव के लिए कोई बेहतर प्रयास नहीं हुआ था। विभिन्न योजनाएँ जैसे जनधन खाता, अटल पेंशन, जीवन ज्योति, फसल बीमा, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, ए.पी.ओ. गठन आदि के माध्यम से किसानों को मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। महिला किसानों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए लखपति दीदी बनाने का कार्य मिशन मोड पर चल रहा है। सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है! उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिए एम.एस.पी. की दरे बढ़ाई गई है। कार्यक्रम में एडीओ एग्रीकल्चर के द्वारा प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी अखिलेश कुमार, बीज भंडार प्रभारी मंजेश कुमार, कृषि रक्षा इकाई के प्रभारी संतोष कुमार, आशीष कुमार, प्रदीप कुमार, रोहित सिंह, राजेश्वर वर्मा, प्रेमचंद, जय सिंह, रणजीत सिंह, डॉक्टर कन्हैयालाल, सहित कई किसान बंधुवों ने प्रतिभाग किया।

सरकार पुरानी पेंशन व्यवस्था को वापस लागू नही करती अटेवा का ये आंदोलन जारी रहेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। प्रदेशीय नेतृत्व के आवाहन पर अटेवा पेंशन बचाओ मंच हरदोई ने स्कूलों के मर्जर/बन्द किये जाने, निजीकरण, एनपीएस/यूपीएस के विरोध में शहर के मुख्य मार्गों पर रोष मार्च निकाल कर विरोध जताया। यह मार्च राजकीय इंटर कॉलेज, हरदोई से निकल कर नुमाईश चौराहा, बड़ा चौराहा, सिनेमा चौराहा, शोल्जर बोर्ड चौराहे से होकर कलेक्ट्रेट ऑफिस पर समाप्त हुआ। कलेक्ट्रेट कार्यलय पर पहुचकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित उक्त प्रकरणों का ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया। इस रोष मार्च निकलने से पूर्व सभा को संबोधित करते हुए मंच के जिलाध्यक्ष डॉ० जैनुल खान ने कहा कि सरकार निजीकरण के नाम पर स्कूलों व शैक्षिक संस्थानों को बंद कर रही है देश की शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर रही है। शिक्षा अधिकार कानून के तहत देश/ प्रदेश में प्रत्येक 1 किलोमीटर की दूरी पर स्कूल खोले गए ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से बंचित न रह जाय।लेकिन मौजूदा सरकार इन स्कूलों को बंद/मर्जर कर रही है। स्कूल दूर होने पर या बंद होने पर हजारों छात्र विशेषकर छात्राओं को अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। सरकार को चाहिए कि वह स्कूलों को बंदध्मर्ज न करके स्कूलों में संसाधन मुहैया कराए, शिक्षकों की भर्ती कर देश और प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी हो। महामंत्रीसायुज्य मिश्र ने कहा कि सरकार जबरन कर्मचारियों पर एन०पी० एस/यूपीएस को थोप रही है। इन योजनाओं को लागू करना कर्मचारियों के छल है धोखा है। सरकार द्वारा लागू की गई यू पी एस को कर्मचारियों ने एक सिरे से नकार दिया है। उन्होंने कहा जब तक सरकार पुरानी पेंशन व्यवस्था को वापस लागू नही करती अटेवा का ये आंदोलन जारी रहेगा।मार्च प्रभारी व सह प्रभारी सत्येंद्र विक्रम दिवाकर व डिम्पल वर्मा ने एक स्वर में निजीकरण का विरोध करते हुए कहा कि निजीकरण देश व देशवासियों दोनों के लिए घातक है।सरकार को निजीकरण को बढ़ावा न देकर देश की संस्थाओं को अपने हाथों में ही रखना चाहिए। इस कार्यक्रम में दिनेश कुमार रावत, रमेश वर्मा, सुरजीत सिंह, अनुपम शर्मा, उपेंद्र शंकर लाल आदि लोग मौजूद रहे।

विद्यालय में मीना मंच कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। उच्च प्राथमिक विद्यालय सदरियापुर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार माह के प्रथम शनिवार को मीना मंच का कार्यक्रम समय सारणी के अनुसार करायें गये। सहायक अध्यापिका/ मीना मंच की सुगमकर्त्ता प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा पावर एंजेल मीनाक्षी, काजल, उजाला ने स्मार्ट टीवी के माध्यम से कामिक बुक-3 आधा फुल और फिल्म स्टार का अपहरण को दिखाया गया। गुड टच-बैड टच, बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ का सभी ने एक साथ मंचन किया। अध्यक्ष नैंसी मिश्रा ने साथियों के साथ बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुति की। प्रगति पंथ के बुक पर आधारित एक कदम स्वच्छता की ओर के सभी सत्रों का आयोजन किया गया।

सुगमकर्त्ता द्वारा हाथ धोने की सम्पूर्ण प्रक्रिया समझाई गयी। मीना मंच व ईको क्लब फार मिशन लाइफ के सदस्यों के मध्य पोस्टर प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता, वाद . विवाद प्रतियोगिता कराई गई। मीना मंच की कक्षा 8 की छात्राएं विज्ञांशी, प्रियांशी, नैंसी मिश्रा, कुमकुम, अनन्या, मुस्कान, सुरमिला, रोली, प्रांशी द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का चार्ट पर सुंदर ढंग से बना कर कलर किया गया। कक्षा 8 के छात्र राहुल, कक्षा 7 के छात्र नैतिक व मोहन द्वारा ईको क्लब फार मिशन लाइफ से संबंधित चार्ट पर आकृति बनाकर सबको समझाया। ईको क्लब के सदस्यों द्वारा औषधी पौधे का पौधारोपण किया गया ।अंत में सभी बालक-बालिकाओं ने आत्मनिर्भर बनने की व स्वच्छता सम्बंधित शपथ ली। सभी कार्य सुगमकर्त्ता प्रियंका श्रीवास्तव की देखरेख में सम्पन्न हुए। कोषाध्यक्ष हिबा द्वारा सभी को टाफियां? वितरित की गयी। प्रभारी प्रधानाध्यापक नीरज गुप्ता, सहायक अध्यापक गौरव कुमार सिंह व सहायक अध्यापिका प्रियंका श्रीवास्तव द्वारा सभी को सुंदर कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। सभी रसोईया उपस्थित रही।

कोटेदार के खिलाफआवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम आगापुर के कोटेदार के विरुद्ध पूर्ति निरीक्षक ने जिलाधिकारी के अनुमोदन पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिलाध्यक्षए ग्राम प्रधान अखिलेश कुमार और ग्रामीणों ने 26 जुलाई को एसडीएम से कोटेदार के विरुद्ध शिकायत की थी।तत्कालीन एसडीएम तान्या सिंह के आदेश पर पूर्ति निरीक्षक अशोक द्विवेदी ने कर्मचारियों के साथ 27 जुलाई को कोटेदार की दुकान की जांच की। दुकान बंद पाई गई कोटेदार ब्रह्मानंद के परिजनों ने बताया वह घर पर नहीं हैं। 29 जुलाई को कोटेदार की बहू रिंकी पत्नी अरुण कुमार ने कोटे की दुकान खोलकर उसका निरीक्षण करवाया। स्टॉक रजिस्टर के बारे में पूछने पर उसने रजिस्टर कोटेदार के पास बताया। माह अगस्त के सापेक्ष जुलाई में किए गए राशन वितरण में कुल 34 कुंतल गेहूं और 67 कुंतल चावल स्टॉक में कम पाया गया।जिसका कोटेदार के परिजन कोई हिसाब नहीं दे सके। पूर्ति निरीक्षक द्वारा जिलाधिकारी को भेजी गई जांच रिपोर्ट और जिलाधिकारी अनुनय झा के अनुमोदन पर पूर्ति निरीक्षक ने कोतवाली में लिखित तहरीर देकर दोषी कोटेदार के विरुद्ध आवश्यक

सत्या फाउण्डेशन ने छात्रों को वितरित की साइकिलें

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सब पढ़ें .सब बढ़ें की विचारधारा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड कछौना की ग्राम पंचायत लोन्हरा में सत्या फाउंडेशन के जिला प्रभारी अनूप कुमार व पूर्व प्रधान मनोज पाल के संयुक्त प्रयास से स्कूल जाने वाले 50 बच्चों को लगभग आधी दरों पर साइकिले में उपलब्ध कराई गई। साइकिल वितरण का कार्यक्रम पंचायत भवन लोनार में संपन्न हुआ। साइकिल पाकर छात्रों व अभिभावकों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। गांव वालों ने इस कार्यक्रम की सराहना की तथा सत्या फाउंडेशन का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान मनोज पाल, अनूप कुमार सहित तमाम छात्र व् ग्रामवासी उपस्थित रहे!

गोली कांड में पांच लोगों पर गंभीर धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस द्वारा पांच लोगों पर हत्या का प्रयास और उसमें सहयोग करने की 3(5), 109(1) धाराओं के साथ मुकदमा दर्ज करते हुए गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी कर दिए। बताते चलें कि ताजुद्दीन उर्फ़ शानू मल्लावां नगर के समाजसेवी विशाल जायसवाल का पर्सनल असिस्टेंट है और उनके सामाजिक कार्यों को देखता है। सामाजिक कार्यों में कभी.कभी बुराइयां भी पैदा होती हैं जिसका खामियाजा समाजसेवी या उनके साथ काम करने वाले लोगों को भुगतना पड़ता है। पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में विगत 12 जुलाई को मुख्य चौराहे पर झगड़ा होने का बयान किया है जिसमें रितेश शर्मा रितेश कश्यप निजाम मंसूरी व उनके तीन अन्य साथी थे। जैसा कि ताजुद्दीन के अनुसार वह समाज सेवी विशाल जायसवाल के यहां कार्यों को निपटाकर रात करीब 10:00 बजे अपने घर काजीपुर बुलेट मोटरसाइकिल से जा रहा था जैसे ही हरदोई रोड पर स्थित हनुमान मंदिर स्वागत द्वार के पास पहुंचा बाइकों पर सवार निजाम मंसूरी नौशाद आलम अलीमुद्दीन उर्फ शाका रितेश कश्यप उर्फ अजयए रितेश शर्मा उर्फ कालू द्वारा घेर कर रोकने का प्रयास किया गया। अपने को घिरता देख पीड़ित ने अपनी बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। बाइक की रफ्तार बढ़ते देख बाइक पर सवार दोनों व्यक्तियों ने बराबर से बाइक लगाकर गले पर निशाना लगाते हुए रितेश शर्मा द्वारा ताजुद्दीन उर्फ़ शानू को गोली मार दी जिससे वह घायल अवस्था में मोटरसाइकिल चलाते हुए पास के ही गायत्री पेट्रोल पंप पर जाकर गिर गया जहां से उसने फोन द्वारा अपने मित्रों परिजनों व समाज सेवी विशाल जायसवाल को गोली मारे जाने की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस व जायसवाल द्वारा घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्लावां लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर द्वारा घायल की गंभीर स्थिति देखते हुए लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया था। अस्पताल से इलाज कराकर कर लौटे ताजुद्दीन उर्फ़ शानू ने तहरीर के माध्यम से गोलीकांड में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोटरसाइकिल की टक्कर से व्यक्ति घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मोटरसाइकिल की टक्कर से सड़क पार कर रहा व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर घायल व्यक्ति के परिजन इलाज के लिये लखनऊ ले गये। थाना क्षेत्र के ग्राम पडरा लखनपुर निवासी विनोद कुमार पुत्र विशेश्वर दयाल अपनी साइकिल से गांव से शनिवार की सुबह खाद लेने के लिए कस्बे के चौराहे की ओर जा रहे थे। कटरा बिल्हौर हाइवे पर रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क पार करते समय मोटरसाइकिल सवार पुलिस ने टक्कर मार दी।टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल विनोद को पुलिस प्राइवेट अस्पताल ले गये जहां पर हालत गंभीर देखकर परिजन इलाज के लिये लखनऊ ले गये।

महिला कच्ची शराब सहित गिरफ्तार, कार्रवाई की गई

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली पुलिस ने कच्ची शराब कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत खेड़ा बीवीजयी की रहने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। पुलिस द्वारा महिला के खिलाफ कार्रवाई की गई। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खेड़ा बीवीजयी निवासी सन्नो पत्नी रमेश को कच्ची शराब बनाते हुए गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। कोतवाली पुलिस द्वारा कच्ची शराब के कारोबारियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। कोतवाली पुलिस के उप निरीक्षक सत्येंद्र कुमार को यह सफलता मिली है। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी ने शनिवार को बताया महिला के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल छीनने का आरोप लगाया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम करावां निवासी युवक ने गांव के युवक पर मोबाइल छीन कर वापस न करने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पीड़ित देवेंद्र सिंह पुत्र विचित्र वीर सिंह के अनुसार उसके गांव का आकाश त्रिवेदी पुत्र अजय त्रिवेदी अत्यधिक शराब का सेवन करता है। उसने शराब के नशे में अपना मोबाइल फोन कहीं गिरा दिया और मोबाइल को लेकर उस पर संदेह करता है।18 जुलाई को विपक्षी ने उसका मोबाइल फोन बात करने के लिए मांगा और लेकर भाग गया। मांगने पर मोबाइल वापस नहीं कर रहा है। मझिला पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी की रिपोर्ट रिपोर्ट

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक में एक बर्तन दुकानदार ने अज्ञात चोर के विरुद्ध दुकान से चोरी करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पवन कुमार पुत्र श्यामबाबू के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया एटीएम के निकट चौक में उसकी बर्तन की दुकान है। एक अगस्त को अज्ञात चोर द्वारा उसकी दुकान से एक एलमुनियम का पतीला चोरी किया गया हैए जिसकी वीडियो सीसीटीवी में कैद है। प्रभारी निरीक्षक उमेश त्रिपाठी ने बताया पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।पुलिस आरोपी को तलाश कर रही है।

धमकी देने वाले दबंगों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कचहरी में मुकदमे की तारीख पर आए पिता पुत्र ने चार लोगों पर गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम उजागर पुरवा निवासी मुनीम पुत्र श्रृद्धा के अनुसार शुक्रवार को शाहबाद एसडीएम न्यायालय में मुकदमे की पेशी पर आया था। गांव के विपक्षी शकील पुत्र दिलौली ने हरियांवा थाना क्षेत्र के ग्राम गुडरिया निवासी अपने साथी असलम पुत्र करीम और अज्ञात महिला पुरुष के साथ मिलकर उसे और पुत्र सादाब को गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

टेंपो की टक्कर से बुजुर्ग महिला घायल, रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी खुर्द निवासी बुजुर्ग महिला को टक्कर मारकर घायल करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने उसके पुत्र की तहरीर पर आरोपी टैंपो चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित आसिफखां पुत्र राशिद खां के अनुसार 11 जुलाई को उसकी 60 वर्षीय मां महकशा बैंक ऑफ बड़ौदा से वापस घर पैदल जा रही थीं। रास्ते में दुर्गा ढाबा के सामने टैंपो चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसकी मां को टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गईं। घायल महिला को इलाज के लिए शाहजहांपुर ले जाया गया। जहां से लखनऊ इलाज के लिए रेफर किया गया। लखनऊ से उसकी मां का इलाज चल रहा है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी टैंपो चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मां का दूध केवल पोषण ही नहीं जीवन की धारा है: डा0 मधुलिका गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई, के अध्यक्ष/ जनपद न्यायाधीश संजीव शुक्ला सचिव/अपर जिला जज भूपेंद्र प्रताप के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति सदर सचिव/ तहसीलदार सचिन्द्र कुमार शुक्ला के निर्देशन मे नवजात शिशु को माता का स्तनपान कराए जाने तथा मानसिक रोग व बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों व नशीले पदार्थों के दुरुपयोग व उनसे बचाव के विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन जिला महिला चिकित्सालय हरदोई में किया गया जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुबोध कुमार सिंह के द्वारा की गई उनके द्वारा मानसिक रोग तथा बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए जिला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और डॉक्टर मधुलिका गुप्ता के द्वारा नवजात शिशुओं को माता का स्तनपान कराए जाने के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया की मां का दूध केवल पोषण ही नहीं जीवन की धारा है। इससे मां और बच्चे के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है शिशु को पहले 6 महीने तक केवल स्तनपान पर ही निर्भर रखना चाहिए यह शिशु के जीवन के लिए जरूरी है क्योंकि मां का दूध सुपाच्य होता है और इससे पेट की गड़बड़ियों की आशंका नहीं रहती है मां का दूध शिशु की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है।और इससे महिलाओं में गर्भाशय का कैंसर और स्तन कैंसर होने की संभावनाएं कम होती हैं शिविर में पी0एल0बी0 कीर्ति कश्यप के द्वारा-महिलाओं को नवजात शिशुओं को स्तनपान कराए जाने के लिए जागरूक किया गया और मानसिक रोग व बौद्धिक अक्षमताओं से ग्रस्त व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्र मध्यस्थता अभियान के बारे में महिलाओं को जानकारी प्रदान की। पी0एल0वी सुदीप पांडे के द्वारा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग व उनसे बचाव के विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और निःशुल्क विधिक सहायता हेतु टोल फ्री नंबर 15100 के बारे में जानकारी प्रदान की पी0एल0बी0 कीर्ति कश्यप एवं सुदीप पांडे के द्वारा उपस्थित महिलाओं को पंपलेट वितरित कर राष्ट्र मध्यस्थता अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की गई शिविर में पी0एल0बी कीर्ति कश्यप एसुदीप पांडे काउंसलर डॉक्टर गरिमा शुक्ला और जिला महिला चिकित्सालय का स्टाफऔर महिलाएं उपस्थित रही ।

कौरवों पाण्डवों के युद्ध, शिव सती प्रसंग कथाओं का किया वर्णन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विश्व मंगल परिवार सेवा संस्थान एवं सार्वजनिक शिक्षोनयन संस्थान के तत्वावधान में डॉ० राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय अल्लीपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में श्रीधाम वृन्दावन से पधारी हुई देवी महेश्वरी श्रीजी ने परीक्षित को शुकदेव जी द्वारा कथा सुनाने का प्रसंग, विदुर प्रसंग, कौरवों पाण्डवों के युद्ध, शिव सती प्रसंग आदि कथाओं का विस्तार से वर्णन किया।

शिव सती प्रसंग की कथा सुनाते हुए देवी जी ने बताया कि एक बार भोलेनाथ राम जी की कथा कुम्भज ऋषि से सुनकर लौट रहे थे मार्ग में श्री राम को देखकर उन्हें प्रणाम किया यह देख सती जी के मन में शंका का भाव उत्पन्न हुआ और श्री राम की परीक्षा लेने पहुंच गई और परीक्षा में विफल होकर उदास मन से लौट आई जब शिव जी को पता चला कि सती ने माता सीता का रूप धारण किया तो उनसे पत्नी धर्म न निर्वहन करने का संकल्प ले लिया। इधर कैलाश पर शिव जी राम जी की कथा सती जी को सुना रहे थे तभी आकाश मार्ग से विमानों को जाते देख सती के पूछने पर भोलेनाथ ने बताया कि ये विमान उनके पिता दक्ष के यहां आयोजित यज्ञ में जा रहे है यह सुनकर सती अपने पिता के वहां जाने की जिद कर बैठी शंकर जी ने मना किया कि बिना बुलाए कही नहीं जाना चाहिए किंतु सती जी नहीं मानी तब शिव जी ने उनके साथ गणों को भेजा सती जी जब अपने पिता के वहां पहुंचती है तो वहां पर शिव जी भाग न देख कर क्रोधित हो उठती है और स्वयं को क्रोधाग्नि में भस्म कर जन्म जन्म के लिए शिव को ही पति के रूप में प्राप्त करने की कामना करती है यह सुनकर कि सती जी नहीं रही शिव जी ने वीरभद्र को भेजा जिसने यज्ञ विध्वंश कर दक्ष का शीश काट दिया और भगवान भोलेनाथ सती जी का पार्थिव शरीर लेकर तांडव करते हुए आकाश मार्ग में चल दिए श्री हरि ने जब यह देखा तो चक्र से उनके शरीर के टुकड़े किए और जहां जहां अंग गिरे वहां आज शक्ति पीठ बनी । देवी जी ने बताया कि बेटियों बहुओं को हमेशा अपने पति की सेवा और पति की बात माननी चाहिए और पतिव्रत्य धर्म का पालन करते हुए अपने दोनों लोकों का सुधार करना चाहिए। शिव तांडव की सजीव झांकी भी प्रस्तुत की गई जिसे देख भक्त श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

कथा श्रवण में प्रमुख रूप से स्वान्त रंजन अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, पवन पुत्र बादल की संयुक्त मंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद डॉ बलजीत श्रीवास्तव सहायक आचार्य बाबा भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय तथा कौशिक चैतन्य महाराज चिन्मय मिशन, शिव प्रकाश त्रिवेदी वरिष्ठ पत्रकार, अखिलेश सिंह प्रभु भक्त के प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हरदोई मेला महोत्सव के 11 वें सत्र का पोस्टर हुआ लॉन्च

■ साहित्यिक एसांस्कृतिक एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं को समेट आयोजित होगा जनपद का सबसे बड़ा महोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सांस्कृतिक चेतना को जगाने के उद्देश्य से विगत 10 वर्षो से लगातार आयोजित हो रहे हरदोई मेला महोत्सव के 2025 के ग्यारहवें सीज़न का पोस्टर नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र द्वारा लॉन्च हुआ।

आगामी दिनों में आयोजित होने वाले हरदोई मेला महोत्सव 2025 का भव्य पोस्टर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर ने कहा कि हरदोई मेला महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक चेतना को जगाए है जो कि महत्वपूर्ण है। हरदोई मेला महोत्सव के रूप में जनपद में एक भव्य सांस्कृतिक आयोजन होता है जिसमें जनपद की प्रतिभाओं को अवसर मिलता है। आशा है कि विगत वर्षो की भाँति हरदोई मेला महोत्सव और भव्यतम होगा। मुख्य आयोजक रवि किशोर गुप्ता ने बताया कि आगामी दिनों में भव्य मेला महोत्सव का भव्य शुभारम्भ किया जायेगाए जिसमें विभिन्न तरह के स्टॉल्स व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर कुलदीप द्विवेदी, अजीत शुक्ल, करुणा शंकर द्विवेदी, रज्जन सिंह, प्रियम मिश्रा, शरद, शिवा, अतिशय पाण्डेय, विपिन मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर चुप्पी तोड़ हल्ला बोल विशेष कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विश्व स्तनपान सप्ताह के पावन अवसर पर श्समाधान अभियानश् व श्इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेडश् के संयुक्त तत्वावधान में **चुप्पी तोड़, हल्ला बोल** अभियान के अंतर्गत कछौना थाना के ग्राम पंचायत खजोहना के आंगनबाड़ी केंद्र पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गर्वभती महिलाओं को विश्व स्तनपान सप्ताह के मुख्य उद्देश्य तथा तथा अभिभावक की पॉक्सो एक्ट 2012 पर विशेष कार्यशाला कर जानकारी दी गई। इस अवसर पर आशा कार्यकत्रीए आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन बाल मित्र केंद्र के समन्वयक मृदुल अवस्थी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल संरक्षणए बाल यौन शोषण और हिंसा के विरुद्ध आवाज़ उठाने हेतु जागरूकता फैलाना एवं विश्व स्तानपन सप्ताह पर प्रकाश डालते हुए गर्भवती महिलाओं को बताया गया कि स्तनपान बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन रक्षा को सुनिश्चित करने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है, फिर भी वर्तमान में 6 महीने से कम उम्र के आधे से भी कम शिशुओं को केवल स्तनपान कराया जाता है।

भारत विरोधी सनक

अब तो साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीय मेधा व भारत की तरक्की को अपने लिये खतरे के रूप में देख रहे हैं। दूसरे कार्यकाल में आये दिन भारत के खिलाफ उनके बयान दरअसल अमेरिका के असुरक्षाबोध को ही दर्शाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। यह भी कहते रहे हैं कि अमेरिकी टेक कंपनियों ने अपने फायदे के लिये चीन में फैक्ट्रियां लगाकर उसे समृद्ध किया। इन कंपनियों द्वारा भारतीयों को अवसर देना उन्हें रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि पिछले दिनों उन्होंने एप्पल को चेतावनी दी थी कि यदि उसने भारत में आईफोन का उत्पादन किया तो सजा के तौर पर उस पर पच्चीस फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा। यह विडंबना ही है कि जिस वैश्वीकरण व उदारीकरण के नाम पर अमेरिका ने अपार संपदा जुटाई, उससे दूसरे देशों को फायदा पहुंचना उसे नागवार गुजर रहा है। यह कैसे संभव है कि हर सामान का उत्पादन अमेरिका में ही हो, और उस कंपनी में सिर्फ अमेरिकी ही कर्मचारी हों। निस्संदेह, प्रतिभा और कार्यकुशलता किसी एक देश का कॉपी राइट नहीं हो सकता। मौजूदा दौर की वैश्विक अर्थव्यवस्था में मुक्त व्यापार के दौर में कोई देश अपनी अर्थव्यवस्था के दरवाजे दूसरों के लिये बंद करके समृद्ध नहीं हो सकता है। दरअसल, आज खुली अर्थव्यवस्था में मल्टीनेशनल कंपनियां अपना मुनाफा देखती हैं। उन्हें जहां सस्ता श्रम व प्राकृतिक संसाधन सुलभ होते हैं, वहीं उत्पादन इकाई लगाती हैं। ट्रंप को यह नहीं भूलना चाहिए कि आईटी के क्षेत्र व सिलिकॉन वैली में यदि समृद्धि की बयार बह रही है, उसमें भारतीयों का बड़ा योगदान है। आज यदि अमेरिका की बड़ी आईटी कंपनियों में भारतीय शीर्ष पदों पर हैं तो अपनी प्रतिभा के बूते ही हैं। एक शोध में खुलासा हुआ है कि सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक कर्मी भारतीय मूल के हैं। अपनी योग्यता के बूते दर्जनों टेक कंपनियों में भारतीय आईटी विशेषज्ञ ऊंचे ओहदों पर विराजमान हैं। निश्चित रूप से भारतीय टेक विशेषज्ञ अमेरिका आर्थिकी को गति देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रंप की यह चेतावनी कि महत्वपूर्ण आईटी कंपनियां व सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीयों को महत्व न दें, उनकी संकुचित व प्रतिगामी सोच का ही पर्याय है। अब यदि कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बूते भारतीय अमेरिका में दूसरे नंबर के समृद्ध प्रवासी हैं, तो उसके मूल में उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिभा है। जिसका कोई दूसरा विकल्प नहीं हो सकता। यह रोचक तथ्य है कि अमेरिकी आबादी का डेढ़ प्रतिशत होने के बावजूद भारतीय प्रवासी छह फीसदी आयकर देते हैं। जो उनके अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान को ही दर्शाता है। ट्रंप को आत्म-मंथन करना चाहिए कि यदि सिलिकॉन वैली व टेक उद्योग दुनिया में वर्चस्व बनाये हुए हैं तो उसके मूल में भारतीय मेधा की तपस्या व त्याग निहित है। अमेरिका का खजाना भर रहे कई सॉफ्टवेयर तैयार करने में तमाम भारतीय इंजीनियरों का योगदान रहा है। ट्रंप को समय रहते समझ लेना चाहिए कि कथित रूप से अमेरिका को फिर से महान बनाने का नारा भारतीय प्रतिभाओं के योगदान के बिना सिर्फ जुमला बनकर रह जाएगा। अमेरिका के पास गोरे लोगों की वह श्रम शक्ति नहीं है जो उसे दुनिया पर राज करने का मौका दिला सके। इस बात को ट्रंप जितनी जल्दी समझ जाएं, वो अमेरिका के हित में ही होगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाक टकराव को खत्म करवाने के जिस तरह वे शेख चिल्ली दावे करते रहते हैं, वह उनका एक अपरिपक्व व अनुभवहीन राजनेता होना ही दर्शाते हैं। 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के उनके थोथे दावों के बीच उन्होंने भारतीय आईटी प्रतिभाओं को दरकिनार करने की बात कही है। उनके तंग नजरिये से साफ हो गया है कि वे भारतीय प्रतिभाओं के उफान को अपने लिये एक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। यह साफ है कि उनका लगातार बढ़ता प्रवासी विरोध आखिरकार अमेरिका को ही नुकसान पहुंचाएगा। एक बात तो तय है कि भारत लगातार ट्रंप के निशाने पर है। वे लगातार कहते रहे हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें।

प्रशासनिक सुधार की शुरुआत दिल्ली से हो

मनोज कुमार मिश्र

27 साल लंबे इंतजार के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार के लिए प्रशासनिक सुधार दिल्ली में उपलब्धियों के मामले में बड़ी लकीर खींचने का अवसर है। यह दिल्ली जैसे छोटे राज्य में केन्द्र सरकार के सहयोग से संभव है। इतना ही नहीं एक बड़ा का यह रोल माडल देश भर के लिए बन जाएगा। यह समझ से परे है कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाएं बनाने वाला डीडीए दिल्ली का मालिक कैसे बन गया। अभी की स्थिति में दिल्ली सरकार विकास के काम के लिए दिल्ली की जमीनों का अधिग्रहण करके डीडीए को सौंप देती है।

आजादी के बाद से ही दिल्ली शासन की प्रयोग स्थली बनी हुई है। कम अधिकारों वाली विधानसभा, दिल्ली नगर निगम, महानगर परिषद और 1993 के बाद से दिल्ली विधानसभा से मूल रूप से दिल्ली की शासन व्यवस्था चलती रही है। बावजूद इसके दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश ही रही। जो अधिकार आजादी के समय मुख्य आयुक्त के पास थे वे आज कमोबेश दिल्ली के उप राज्यपाल के पास हैं। दोनों ही केन्द्र सरकार से नियुक्त होते हैं। जाहिर है कि उनकी वफादारी केन्द्र की सरकार के प्रति रहती है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी और 1915 में जमनापार के 65 गांव दिल्ली में शामिल किए गए। तब से आज तक दिल्ली 1483 वर्ग किलोमीटर की बनी हुई है। आबादी के दबाव से दिल्ली बेहाल हो गई है। कायदे में देश की राजधानी और एक शहर वाले इस राज्य को शासन के नजरिए से आदर्श बनाया जा सकता है, जिसका देश के दूसरे राज्य अनुशरण करें लेकिन वास्तव में अब तक से ज्यादातर प्रयोग शासन को अनुपयोगी बनाने के लिए किए जाते रहे हैं। दिल्ली की जनता दिल्ली के विधायक चुनती है जबकि दिल्ली की जमीन का मालिक केन्द्र सरकार के अधीन बनी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को बना दिया गया है। दिल्ली के ज्यादातर सरकारी कर्मचारी केन्द्रीय चयन आयोग के माध्यम से चुने जाते हैं लेकिन उनमें घालमेल करके उनकी उपयोगिता कम कर दी गई। परिणाम यह हुआ कि पासपोर्ट बनाने और संपत्ति कर के अलावा कोई भी बड़ा काम आज भी पूरी तरह से न तो दलालों से मुक्त हो पाया और न ही सही मायने में आनलाइन हो पाया। सुनने में यह कठोर शब्द है लेकिन वास्तव में अधिकारियों और कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग आज भी जन सुविधाओं को आनलाइन न करने के प्रयास में जुटा हुआ है। 27 साल लंबे इंतजार के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार के लिए प्रशासनिक सुधार दिल्ली में उपलब्धियों के मामले में बड़ी लकीर खींचने का अवसर है। यह दिल्ली जैसे छोटे राज्य में केन्द्र सरकार के सहयोग से संभव है। इतना ही नहीं एक बड़ा का यह रोल माडल देश भर के लिए बन जाएगा। यह समझ से परे है कि दिल्ली के विकास के लिए योजनाएं बनाने वाला डीडीए दिल्ली का मालिक कैसे बन गया। अभी की स्थिति में दिल्ली सरकार विकास के काम के लिए दिल्ली की जमीनों का अधिग्रहण करके डीडीए को सौंप देती है। फिर उसी जमीन को स्कूल, कालेज, अस्पताल, सामुदायिक केन्द्र आदि जरूरी चीजों के लिए ऊंची कीमत पर काफी प्रयास करके डीडीए से जमीन खरीदती है। इस प्रक्रिया में काफी समय और धन की बर्बादी होती है। यह समझ से परे है कि अपनी ही जमीन का अधिग्रहण करके उसे डीडीए को क्यों दे और फिर उसी जमीन को ज्यादा दाम में डीडीए से खरीदे। जबकि डीडीए पहले ही मास्टर प्लान के साथ-साथ जिला प्लान आदि बना चुका है। बताते हैं कि दिल्ली की जमीन से बने डीडीए के लैंडबैंक के पास हजारों करोड़ रुपए पड़े हुए हैं, जिनका उपयोग दिल्ली के विकास कामों पर किया जा सकता है। इससे भी अजूबा काम दिल्ली के सरकारी कामों की रीढ़ की हड्डी माने जानेवाले दास कैडर (दिल्ली के सभी विभागों के कर्मचारी-दिल्ली एडमिनिस्टैटिव सर्विस) के कर्मचारी ही दिल्ली का कामकाज करते हैं। इनका चयन भारत सरकार का कर्मचारी चयन आयोग से होता है। इनके शुरू से दो हिस्से होते हैं -विभागीय (मिनिस्ट्रीयल) और कार्यकारी (एक्सक्यूटीव)। दोनों की लिखित परीक्षा एक साथ होती है लेकिन साक्षात्कार और प्रशिक्षण अलग-अलग होता है। विभागीय कर्मचारी कनिष्क- वरिष्ट लिपिक(एलडीसी, यूडीसी) मुख्य लिपिक(हेड क्लर्क) के पदों पर पदोन्नति पाते हुए सुपरिटेंडेंट (कार्यालय अधीक्षक) बनते हैं। उसी तरह कार्यकारी विंग के कर्मचारी- उप निरीक्षक, निरीक्षक और सहायक आयकर अधिकारी तक बनते हैं। बाद में वरिष्ठता के आधार पर प्रादेशिक सेवा के अधिकारी(दानिक्स) भी बनते हैं। दोनों विंग के कर्मचारियों को दानिक्स कोटे के आधे-आधे पद मिलते रहे हैं। दोनों विंग के कर्मचारी अपने काम की विशेषता हासिल करते रहे हैं। संख्या ज्यादा विभागीय कर्मचारियों की होती थी, इसलिए उनमें प्रमोशन कम होते थे लेकिन दोनों ही तरह के कर्मचारी अपने काम में दक्ष होते थे। बताते हैं कि 1981-82 में विभागीय कर्मचारियों के कुछ लोगों के दबाव में तब के मुख्य सचिव ने दोनों को मिला दिया। जिससे दोनों के दानिक्स में प्रमोशन समान हों। इसके चलते कर्मचारियों की विशेषज्ञता समाप्त हो गई। जितने कर से जुड़े विभाग हैं उनके बारे में फिल्ड में जाने वाले उप निरीक्षक और निरीक्षक अपने इलाके की पूरी जानकारी रखते थे। वे काम ईमानदारी से करें या न करें लेकिन उन्हें अपने इलाके के बारे में पूरी जानकारी रहती थी। उनकी जानकारी का विभाग को फायदा मिलता था। उसी तरह से कार्यालय अधीक्षक को अपने दफ्तर की एक-एक फाइल की जानकारी होती थी। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि किसी भी दफ्तर से पुराने रिकार्ड जुटाना कठिन है। कहीं मास्टर फाइल नहीं मिलेगी जिससे पूरे विभाग का पता चल सके। उसी तरह बिक्री कर, आबकारी, आयकर, परिवहन आदि करों जुड़े हर मामले के लिए पूरे विभाग को लगना पड़ता है। फिर भी सही जानकारी नहीं मिल पाती है। इतना ही नहीं इसके चलते दफ्तरों से विशेषज्ञता चली गई है। उसकी बहाली निगरानी के साथ जरूरी है। अनेक विभागों में आला पदों पर रहे पूर्व आईएएस अधिकारी एके सिंह बताते हैं कि पुरानी व्यवस्था को बहाल कराकर एक बड़े प्रशासनिक सुधार की शुरुआत की जानी चाहिए। यह ज्यादा कठिन काम नहीं है लेकिन इससे दिल्ली की शासन व्यवस्था में चमत्कारी परिवर्तन होगा। वास्तव में आज जमाना विशेषज्ञता का है। इस बदलाव का असर दफ्तरों से फाइल का बोझ कम करके सरकारी सुविधाओं को वास्तव में आनलाइन किया जा सकता है। देशभर की अनेक राज्य सरकारों के साथ-साथ दिल्ली में भी अनेक सेवाएं आनलाइन करने के दावे किए जाते रहे हैं लेकिन वास्तव में अभी भी अनेक विभाग दलालों से मुक्त नहीं हो पाए हैं। कई विभागों में तो आनलाइन काम भी दलाल ही करवा सकते हैं। उसी तरह हर विभाग में काम का बंटवारा किया जाना चाहिए, यानी किस काम को किस स्तर तक के कर्मचारी को करना है। किसी कर्मचारी को तय मानकों के हिसाब से भविष्य निधि का पैसा निकालने या अपनी छुट्टी मंजूर करवाने के लिए नीचे से ऊपर तक फाइल को क्यों भेजना जरूरी है। हर कर्मचारी का काम साफ-साफ तय होना चाहिए। अभी तो ज्यादातर दफ्तरों में हर फाइल एलडीसी से शुरू होकर विभाग प्रमुख तक जाता है। इससे न केवल दूसरे कामकाज प्रभावित होते हैं बल्कि हर काम में देरी होती है। आज के समय में भी दिल्ली जैसे राज्य में भी आनलाइन काम न होकर फाइलों का बोझ बढ़ाना सही मायने में राज्य और समाज को सालों पीछे ले जाना है। सालों से इस आनलाइन के नाम पर करोड़ों-अरबों खर्च हो चुके हैं फिर भी सरकारी दफ्तर दलालों के चंगुल से मुक्त नहीं हो पाया है। पासपोर्ट बनना आनलाइन इसलिए भी सफल हुआ माना जा रहा है क्योंकि उसकी जिम्मेदारी एक सही निजी कंपनी के पास है। कायदे में अगर अब भी प्रशासनिक सुधार का काम नहीं हुआ तो दिल्ली दूसरे देशों की राजधानी की कौन कहे अपने देश के भी कई शहरों से और पिछड़ जाएगी। कायदे में उसे देश की राजधानी की तरह देश का अव्वल शहर बने रहना चाहिए। दिल्ली की भाजपा सरकार के लिए प्रशासनिक सुधार एक बड़ा अवसर भी है। ऐसा करके मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की टीम दिल्ली में ठोस बदलाव करने की बड़ी लकीर खींच सकती हैं। बहुशासन प्रणाली वाली दिल्ली के हर शासन पर भाजपा ही काबिज है। सभी के बीच तालमेल करके इसे मुकाम तक ले जाने का यह मौका इस राज्य सरकार को मिला है।

त्रिभुवनेश्वर श्री लिंगराज महादेव

अंजनी सक्सेना

धार्मिक कथाओं के अनुसार यहां देवी पार्वती ने 'लिट्टी' तथा 'वसा' नाम के दो भयंकर राक्षसों का वध किया था। संग्राम के बाद उन्हें प्यास लगी, तो शिवजी ने कूप बनाकर सभी पवित्र नदियों को योगदान के लिए बुलाया। यहीं पर बिन्दुसागर सरोवर है। मान्यता है कि बिंदुसागर सरोवर में भारत के प्रत्येक झरने तथा तालाब का जल संग्रहित है और उसमें स्नान करने से पापों का नाश होता है। उसके निकट ही लिंगराज का विशालकाय मन्दिर है। यहां प्रत्येक पत्थर पर अद्भुत कलाकारी है। इस विशाल मंदिर का प्रांगण 150 मीटर वर्गाकार का है तथा कलश की ऊँचाई 40 मीटर है। मन्दिर के शिखर की ऊँचाई 180 फुट है। इस मन्दिर का शिखर नीचे से तो प्रायः सीधा तथा समकोण है किन्तु ऊपर धीरे-धीरे वक्र होता चला गया है और शीर्ष पर वर्तुल दिखाई देता है। मन्दिर की दीवारों पर सुन्दर नक़्क़ाशी की गई है। मन्दिर के हर एक पत्थर पर कोई न कोई अलंकरण उत्कीर्ण है। जगह-जगह सुन्दर मूर्तियां है। यहां मुख्य मंदिर तो त्रिभुवन के स्वामी अर्थात त्रिभुवनेश्वर श्री लिंगराज जी का है।

भगवान जगन्नाथ की नगरी पुरी और सूर्य देवता की नगरी कोणार्क के नजदीक बसा है भुवनेश्वर नगर। इसी भुवनेश्वर नगर में देवाधिदेव महादेव का विश्व प्रसिद्ध विशाल लिंगराज मन्दिर है। यह मंदिर अपनी अनुपम स्थापत्य कला के लिए तो दुनिया भर में प्रसिद्ध है ही लेकिन यहां भक्ति की भी अविरल रसधार बहती है। यहां यह निश्चित करना बड़ा ही कठिन होता है कि आप भक्ति की रसधार में डूब जाएं या यहां की मूर्तियों और कलाकृतियों के सौंदर्य को नेत्रों के समन्दर में समाहित कर लें। धार्मिक कथाओं के अनुसार यहां देवी पार्वती ने 'लिट्टी' तथा 'वसा' नाम के दो भयंकर राक्षसों का वध किया था। संग्राम के बाद उन्हें प्यास लगी, तो शिवजी ने कूप बनाकर सभी पवित्र नदियों को योगदान के लिए बुलाया। यहीं पर बिन्दुसागर सरोवर है। मान्यता है कि बिंदुसागर सरोवर में भारत के प्रत्येक झरने तथा तालाब का जल संग्रहित है और उसमें स्नान करने से पापों का नाश होता है। उसके निकट ही लिंगराज का विशालकाय मन्दिर है। यहां प्रत्येक पत्थर पर अद्भुत कलाकारी है। इस विशाल मंदिर का प्रांगण 150 मीटर वर्गाकार का है तथा कलश की ऊँचाई 40 मीटर है। मन्दिर के शिखर की ऊँचाई 180 फुट है। इस मन्दिर का शिखर नीचे से तो प्रायः सीधा तथा समकोण है किन्तु ऊपर धीरे-धीरे वक्र होता चला गया है और शीर्ष पर वर्तुल दिखाई देता है। मन्दिर की दीवारों पर सुन्दर नक़्क़ाशी की गई है। मन्दिर के हर एक पत्थर पर कोई न कोई अलंकरण उत्कीर्ण है। जगह-जगह सुन्दर मूर्तियां है। यहां मुख्य मंदिर तो त्रिभुवन के स्वामी अर्थात त्रिभुवनेश्वर श्री लिंगराज जी का है। साथ ही यहां गणेश जी,श्री कार्तिकेय जी तथा माता पार्वती के तीन छोटे मन्दिर भी मुख्य मन्दिर के विमान से संलग्न हैं। माता गौरी मन्दिर एवं माता पार्वती मन्दिर में पार्वती जी की काले पत्थर की बनी प्रतिमा है। मन्दिर के चतुर्दिक गज सिंहों की उकेरी हुई मूर्तियाँ दिखाई पड़ती हैं। मंदिर के गर्भग्रह के अलावा जगमोहन तथा भोगमण्डप में सुन्दर सिंह मूर्तियों के साथ देवी-देवताओं की कलात्मक प्रतिमाएँ हैं। यहाँ पास ही में बिन्दुसरोवर है। परंपरागत रुप से पूजा एवं दर्शन करने वाले श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने से पूर्व यहां स्नान करते हैं, फिर क्षेत्रपति अनंत वासुदेव के दर्शन किए जाते हैं। अनंत वासुदेव के दर्शन के बाद गणेश पूजा,फिर गोपालनी देवी की पूजा,उसके उपरांत शिवजी के वाहन नंदी की पूजा के बाद ही लिंगराज के दर्शन के लिए मुख्य मंदिर में प्रवेश किया जाता है। त्रिभुवनेश्वर भगवान शंकर और माता पार्वती के दर्शन तत्पश्चात भोग पाने के बाद पूजा संपन्न होती है । इस स्थान को ब्रह्म पुराण में एकाम्र क्षेत्र बताया गया है। मान्यता है कि यहां भगवान हरिहर विराजते हैं। हरि का मतलब है विष्णु और हर का मतलब शिव, ऐसे में यहां शिव और विष्णु की एक साथ पूजा होती है। भगवान शिव की पूजा में तुलसी दल का प्रयोग वर्जित है लेकिन, यह एक अनोखा मंदिर है जहां भगवान शिव को बेलपत्र के साथ तुलसी दल भी अर्पित किया जाता है। यहां शिव के हृदय में श्रीहरि का वास है। यहां श्रीहरि शालिग्राम के रूप में मौजूद हैं। इसीलिए इसे शिवलिंगों के राजा लिंगराज महादेव की उपाधि दी गयी है। यहां स्थित शिवलिंग स्वयंभू है। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में भगवान भोलेनाथ एवं श्रीहरि विष्णु की संयुक्त प्रतिमा है। प्रतिमा में आधा हिस्सा शिवजी का है और आधा श्रीहरि का है। इसीलिए यहां पर शिव और हरि की साथ-साथ पूजा-अर्चना होती है। भगवान शिव और विष्णु एक साथ विराजते हैं और भगवान विष्णु का भोग बिना तुलसी दल के संपूर्ण नहीं होता इसलिए यहां बेल पत्र और तुलसीदल दोनों ही चढ़ाए जाते हैं। यहां एक छोटा सा कुआं भी है जिसके बारे में कहा जाता है कि यह मरीची कुंड है जहां संतान से जुड़ी परेशानियों से मुक्ति के लिए महिलाएं स्नान करती हैं। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इसका निर्माण सोमवंशी राजा ययाति प्रथम ने करवाया था। यहां विराजे लिंगराज स्वयंभू हैं। सैकड़ों वर्षों से भुवनेश्वर पूर्वोत्तर भारत में शैवसम्प्रदाय का मुख्य केन्द्र रहा है। माना जाता हैं कि मध्ययुग में यहाँ सात हजार से अधिक मन्दिर और पूजास्थल थे, जिनमें से अब लगभग पाँच सौ ही शेष बचे हैं। इस मंदिर का निर्माण सोमवंशी राजा ययाति केशरी ने ग्यारहवीं शताब्दी में करवाया था। उसने तभी अपनी राजधानी को जाजपुर से भुवनेश्वर में स्थानांतरित किया था। इस मंदिर का वर्णन छठी शताब्दी के लेखों में भी आता है। लिंगराज मंदिर भुवनेश्वर या उड़ीसा ही नहीं बल्कि देश के प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। यह भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) को समर्पित है । इस मंदिर के ऊपर कई जगह गोंड राजवंशों के ग़ज़शोडूम (हाथी के ऊपर शेर) भी अंकित है। इस मंदिर के कुछ हिस्से 1400 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं।

मित्रताः रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है।

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को 'अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस' मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी। दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है-ल्लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।ङ्क आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती ज़मीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है। नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना। विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना।' क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है। आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं- एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर। विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा ज़मीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था-ल्लमैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।ङ्क इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे। हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है, जहाँ न कोई दायित्व होता है, न कोई बंधन, सिर्फ अपनापन होता है। चाहे युग बदले या तकनीक, दिलों की दूरी को मिटा सकने की शक्ति केवल सच्ची दोस्ती ही रखती है।

सात तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर जिले में जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के उद्देश्य से जनपद की सभी सात तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। तहसील बिसवां में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को एक-एक करके सुना गया एवं जनता की शिकायतों एवं समस्याओं को समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश के साथ संबंधित अधिकारियों को अन्तरित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों और अधिकारियों को निर्देश दिये कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का तेजी से निस्तारण किया जाये, जिससे पात्रों को समय से लाभान्वित किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि आई0 जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण हो।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता द्वारा जो शिकायत की गई हैं उसका निस्तारण संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता पूर्ण करें। शिकायतकर्ता द्वारा जिलाधिकारी से खतौनी में दर्ज गलत नाम को हटवाये जाने की शिकायत की, जिस पर उन्होंने तत्काल संज्ञान लेते हुये खतौनी से नाम हटवाकर नई खतौनी मौके पर ही जारी करवा दी। साथ ही शिकायतकर्ता गयावती पत्नी स्वर्गीय बाबू द्वारा राशन कार्ड से संबंधित की गयी शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये मौके पर ही राशन कार्ड जिलाधिकारी द्वारा जारी करवाया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। तहसील बिसवां में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 66 शिकायतों में से 11 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार से जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील मिश्रिख में प्राप्त 38 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील लहरपुर में प्राप्त 36 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील सदर में प्राप्त 06 प्रार्थना पत्रों में से 01, तहसील महमूदाबाद में प्राप्त 30 प्रार्थना पत्रों में से 05, तहसील महोली में प्राप्त 30 प्रार्थना पत्रों में से 04, तहसील सिधौली में प्राप्त 61 प्रार्थना-पत्रों में से 11 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष बची हुयी शिकायतों को पृष्ठांकित कर एक सप्ताह के अन्दर संबंधित अधिकारी को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम-किसान की 20वीं किस्त का किया सजीव प्रसारण

- सिकंदरपुर सिरोसी में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान रहे उपस्थित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (घ्ब्र-खऋद्दइग) योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली 20वीं किस्त का सजीव प्रसारण शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। इसका सीधा प्रसारण जनपद उन्नाव के विकास खंड सिकंदरपुर सिरोसी के सभागार में किया गया, जहां किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।ब्लॉक स्तरीय इस भव्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। आयोजन के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिससे किसानों को जागरूक किया जा सके और उन्हें अधिकतम लाभ प्राप्त हो।

कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, अरुण सिंह (सभापति, जिला सहकारी बैंक), मुख्य विकास अधिकारी कृति राज, मनीष जायसवाल, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, कृषि विभाग के कर्मचारी और विभिन्न ग्रामों के प्रधान शामिल हुए।

अधिकारियों ने बताया कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत किसानों को साल में तीन किस्तों में कुल छह हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जो सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित होती है। इस सहायता से किसानों को बीज, खाद, खरपतवार नाशी, सिंचाई और फसल सुरक्षा जैसे खर्चों में सहूलियत मिल रही है। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई। किसानों ने इस योजना को कृषि के लिए लाभकारी बताया और प्रसन्नता जताई कि उन्हें सरकार की मदद समय पर मिल रही है।

एक्स्ट्रा केयर फिजियोथैरेपी सेंटर बना दर्द से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत का ठिकाना

- इंदिरा नगर स्थित केंद्र में विशेषज्ञ डॉक्टर की देखरेख में हो रहा बिना दवा व ऑपरेशन के इलाज, सैकड़ों मरीजों को मिल रही राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आधुनिक जीवनशैली और घंटों बैठे-बैठे काम करने की आदत ने आज की पीढ़ी को कमर, गर्दन और घुटनों के दर्द की गिरफ्त में ला खड़ा किया है। छोटे-छोटे दर्द जब लगातार अनदेखी की भेंट चढ़ते हैं तो बड़ी समस्याओं का रूप ले लेते हैं। ऐसे में बिना सर्जरी और बिना दवा के यदि कोई इलाज मिल जाए, तो वह किसी वरदान से कम नहीं।

इंदिरा नगर के सेक्टर 12 में स्थित एक्स्ट्रा केयर फिजियोथैरेपी सेंटर इस दिशा में एक बेहतरीन पहल के रूप में सामने आया है, जहां वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में सैकड़ों मरीजों को राहत दी जा चुकी है। यहां आने वाले मरीजों का इलाज उन्नत तकनीकों और अनुभवी हाथों के समन्वय से किया जाता है। मरीजों को उनके लक्षणों के आधार पर पूरी तरह व्यक्तिगत थेरेपी प्लान दिया जाता है। सेंटर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां हर उम्र, हर स्थिति और हर तरह की समस्या को समझकर इलाज किया जाता है – न कि एक जैसे तरीके से।

मरीजों ने बताई राहत की कहानी

यहां इलाज करा रही श्वेता मिश्रा बताती हैं कि वह पिछले एक साल से पीठ और गर्दन के दर्द से परेशान थीं। कई जगह इलाज कराया लेकिन आराम नहीं मिला। एक्स्ट्रा केयर में सिर्फ तीन हफ्तों की थेरेपी के बाद वह फिर से दफ्तर जाने लगी हैं। विक्रम सिंह, जो एक खिलाड़ी हैं, बताते हैं कि स्लिप डिस्क के कारण उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गई थी। लेकिन यहां डी-कंप्रेशन थेरेपी और स्ट्रेंथनिंग से वह बिना ऑपरेशन के ठीक हो गए। कमला देवी, जो 65 वर्ष की हैं, ने बताया कि घुटनों के दर्द के कारण उनका चलना-फिरना बंद हो गया था। अब वैक्स थैरेपी और सी.पी.एम. के जरिये वह बिना सहारे चलने लगी हैं। राहुल अवस्थी, एक बैंककर्मी, ने बताया कि फ्रोजन शोल्डर की समस्या के कारण वह बाजू भी नहीं उठा पाते थे। अब थेरेपी के बाद वह सामान्य कामकाज कर पा रहे हैं।

डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस पर किया तीन महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पहला प्रतीक्षालय दूसरा ज्ञानयालय व तीसरा पालना गृह का शुभारंभ कर सम्पूर्ण समाधान दिवस को बनाया ऐतिहासिक

पुरवा-उन्नाव। डीएम ने अगस्त माह के प्रथम शनिवार को स्थानीय तहसील में तीन महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ करके सम्पूर्ण समाधान दिवस को ऐतिहासिक बना दिया। आज के समाधान दिवस में डेढ़ सैकड़ा से अधिक फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं जिसमें से मौके पर 22 समस्याओं का निस्तारण भी कराया गया। उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव के आने के बाद से तहसील प्रांगण में यादगार परिवर्तन हुआ है। जहां एक ओर उन्होंने जनसमस्याओं के निराकरण हेतु प्रत्येक मंगलवार को जनता दर्शन की नई परम्परा को प्रारंभ किया तो वहीं दूसरी ओर अपनी जुझारू कार्यशैली से लगातार ख्याति पा रहे हैं। अगस्त माह के प्रथम शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी गौरांग राठी के द्वारा तीन महत्वपूर्ण योजनाओं का उन्होंने शुभारंभ कराया। आज पहला शुभारंभ प्रतीक्षालय या न्याय का द्वार के नाम से कराया गया जिसमें कोई भी प्रार्थी या किसी भी कारण से जो काश्तकार तहसील में प्रतीक्षा करेगा, वह इस कक्ष, अनुकूलित कमरे में बैठेगा। प्रार्थना पत्र का सारांश वहां उपस्थित ऑपरेटर तैयार करेगा?। प्रतिदिन किसी न किसी ऑपरेटर की ड्यूटी है। उसकी समस्या का सारांश लेकर तब अधिकारी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके आधार पर अधिकारी उसको मार्क करेंगे। अगर प्रार्थी को यह समझना होगा कि धारा 24 या धारा 116 या कहां मुकदमे में जाए, तो यह भी इसी प्रतीक्षालय में उपस्थित ऑपरेटर या बाबू उसको समझाएगा?। इस कमरे में सभी लेखपाल अमीन के मोबाइल नंबर और राजस्व धाराएं दीवारों पर पोस्ट के रूप में है। दूसरा शुभारंभ राजस्व ज्ञानालय या वाचनालय के रूप में हुआ जिसमें कक्ष में राजस्व संबंधित पुस्तक लाइब्रेरी तथा विभिन्न धाराओं की एसओपी या प्रक्रिया दीवारों पर लगाई गई हैं। विभिन्न धाराओं की प्रक्रिया तथा इसमें नए-नए शासनादेश हैं। यहां पर हुई तैयारी के आधार पर प्रत्येक माह या माह में दो बार लेखपालों का तथा अन्य राजस्व कर्मचारी का प्रशिक्षण किया जाएगा। इसके प्रभारी नायब तहसीलदार तथा तकनीकी रूप से दक्ष लेखपाल हैं। जबकि तीसरा शुभारंभ डीएम ने पालनागृह का किया। यह कक्ष महिलाओं को समर्पित है। इसका नाम है पालना घर। हमारी तहसील में 24 से अधिक महिला कर्मचारी लेखपाल हैं कुछ के छोटे बच्चे भी हैं। महिलाओं के लिए अलग स्थान है, जहां पर पालना भी है, बच्चों के खिलौने भी हैं और उसी से लगा हुआ बगल में महिलाओं का अलग शौचालय है। यह कमरा पूरी तरह से महिलाओं के लिए है। उपरोक्त तीनों कमरे वातानुकूलित है तथा उनके प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं इनकी मॉनिटरिंग प्रतिदिन की जाएगी, जिससे इसमें तैयार किए गए लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इसके अतिरिक्त तहसील में एक इको पार्क तैयार किया गया है जोकि वेस्टेज से तैयार किया गया है।

गेट से ही दाहिनी तरफ छोटा सा पार्क है इसमें प्लास्टिक की टूटी हुई बोतल, बेकार हुए टायर आदि से पार्क को सुंदर बनाया गया है। यहीं पर तहसील का सेल्फी प्वाइंट भी है। आज के समाधान दिवस में कुल 174 प्रकरण आए जिसमें राजस्व के सर्वाधिक 104, पुलिस 23, विकास 14, विद्युत 12, पूर्ति विभाग 8 व अन्य 13 प्रकरण थे जिसमें से मौके पर 22 का निस्तारण कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

मार्ग दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत

बांगरमऊ-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ मार्ग पर गांव सुरसेनी के निकट शनिवार सुबह 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक चालक सड़क पर गिर गया। इसके बाद तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उसे कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरो ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुँची पुलिस ने जांच शुरू कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी होने पर पहुंचें परिजनों में कोहराम मचा रहा। मृतक की पहचान आसीवन थाना क्षेत्र के कस्बा कुरसठ के मजरा ताजू खेड़ा निवासी मितान (45) पुत्र हरिपाल के रूप में हुई है। वह अपने बच्चों के लिए स्कूल जाने के लिए नई साइकिल खरीदने बांगरमऊ जा रहा था। सुरसेनी गांव के पास किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। मितान सड़क पर गिर गए और तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया और मौके से फरार हो गया।

पेड़ से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

बांगरमऊ-उन्नाव। मां के शव का अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी काट रहा पुत्र पेड़ से गिरकर बुरी तरह से जख्मी हो गया जिसे गंभीर हालत में बांगरमऊ अस्पताल से रेफर कर दिया गया। बांगरमऊ क्षेत्र के गांव फरीदपुर कट्टर निवासी 80 वर्षीय वृद्धा शियादुलारी पत्नी लेखराज की बीमारी से मौत हो गई जिससे शनिवार को दोपहर बाद उसके अंतिम संस्कार की तैयारी हो रही थी इसी तैयारी में लगा 45 वर्षीय पुत्र प्रताप नीम के पेड़ पर चढ़कर एक डाली काट रहा था तभी संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिरकर बुरी तरह से जख्मी हो गया घटना के बाद परिजन आनन फानन उसे लेकर बांगरमऊ अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए रेफर कर दिया गया। घायल के सीने में हड्डी आदि टूटने की आशंका जताई जा रही है।

घबराहट-बेचौनी से एक पखवारे में होता है मानसिक रोग: डा.रिजवाना हाशमी

बांदा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा विजेंद्र सिंह के निर्देश पर जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम टीम बांदा द्वारा आदर्श बजरंग इंटर कालेज में मानसिक स्वास्थ्य एवं टेली मानस नंबर 14416 से संबंधित जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया इसका उद्घाटन प्रधानाचार्य मिथिलेश कुमार पांडे ने किया। कार्यशाला में क्लिनिकल साइकोलाजिस्ट डा. रिजवाना हाशमी,मूल्यांकन अधिकारी नरेन्द्र कुमार मिश्रा व सहायक के रूप में अशोक कुमार उपस्थित रहे। कार्यशाला में बताया गया कि घबराहट बेचौनी, नींद ना आना , अत्यधिक पश्चाताप की भावना, अत्यधिक गुस्सा आना आदि लक्षण 15 दिनों तक बने रहे तो मानसिक रोग के अंतर्गत आता है। प्राथमिक के तौर पर टेली मानस नंबर 14416 पर काल करें या जिला चिकित्सालय पु बांदा में परीक्षण व उपचार कराईये। कार्यशाला के पश्चात विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को पुरस्कार दिया गया।

जनशिकायतों का निस्तारण गुणवत्तायुक्त के साथ किया जाये: डीएम

बांदा। जिलाधिकारी बांदा, श्रीमती जे.रीभा की अध्यक्षता में तहसील बबेरू में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनशिकायतों का निस्तारण गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्धता के साथ किया जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील बबेरू में कुल 45 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से राजस्व विभाग, पुलिस, विकास, विद्युत व अन्य विभागों से सम्बन्धित आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से आज मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण, जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से कराया। संपूर्ण समाधान दिवस में ग्राम पतवन के एक फरियादी द्वारा उसके नलकूप के पास विद्युत तार नीचे होने को ठीक कराए जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम समगरा के एक फरियादी द्वारा उसका कच्चा घर गिर जाने पर जिलाधिकारी ने जांच कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

जनपद में किसानों को मिली 44 करोड़ से अधिक की सम्मान निधि

- पीएम के कार्यक्रम का हुआ वुर्चअल आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम से किसानों के खाते में 20500 करोड़ रू0 की धनराशि किसान सम्मान निधि की बीसवीं किस्त के रूप में भेजी। इस पीएम-किसान उत्सव का वर्चुअल प्रसारण और पीएम-किसान उत्सव का आयोजन जनपद स्तर, विकासखण्ड स्तर एवं ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया। जनपद के 221269 किसानों के खाते में 44.25 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है।

जनपद स्तर पर राज्य जल शक्ति मंत्री रामकेश निषाद की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय बाँदा के उद्यान महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर जनपद स्तरीय कार्यक्रम में लगभग 600 कृषकों ने तथा विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में लगभग 26000 कृषकों ने सहभागिता कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल प्रसारण को सुना। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सहकारी समितियों, मण्डी समितियों एवं एपीओ केन्द्रो पर भी आयोजित किया गया। जनपदीय कार्यक्रम में मंत्री ने किसानों को सम्बोधित करते हुये किसानों को प्राकृतिक खेती करने की सलाह दी तथा पूर्व में उगाये जाने वाले श्री अन्न को बढ़ावा देने हेतु किसानों को जागरूक होने की अपील की तथा जल संरक्षण हेतु चलाये जाने वाली योजनाओं की जानकारी कृषकों के मध्य रखी। कृषि विभाग की योजनाओं का भरपूर लाभ मिल सके, इसके लिये आवश्यक है कि किसान प्रसार कार्यकर्ताओं से सम्पर्क बनाये रखें और गोष्ठियों के माध्यम से चलने वाले कार्यकमों की सुविधा का लाभ उठायें।

कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य डा. बाबूलाल तिवारी के प्रतिनिधि आलोक सिंह द्वारा कृषकों के मध्य अपने अनुभव को साझा किया गया। कार्यकम में उपस्थित जनपद के मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय प्रदेश सरकार की कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु किसानों से अनुरोध किया तथा अवगत कराया कि आज के समय में शिक्षा एवं स्वास्थ्य बहुत ही महत्वपूर्ण है अतः आप सभी लोग अपने बच्चों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में उपस्थित उप कृषि निदेशक डा. अभय कुमार सिंह यादव द्वारा प्रदेश सरकार की कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा. श्याम सिंह, डा. चंचल सिंह, डा. दीक्षा पटेल द्वारा किसानों को खरीफ में बोई गयी फसलों की तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी एवं कार्यक्रम में एक दर्जन से अधिक पीएम किसान के लाभार्थी कृषकों को प्रमाण पत्र व मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये। कार्यक्रम में कृषि विभाग के जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी अब्दुल हसीब खान, मनोज कुमार गौतम, संजय कुमार सिंह तथा अनिल कुमार सिंह जिला सलाहकार, बलराम सिंह विषय वस्तु विशेषज्ञ, शारदा प्रसाद विषय वस्तु विशेषज्ञ, सौरभ तिवारी विषय वस्तु विशेषज्ञ, वीर सिंह विषय वस्तु विशेषज्ञ, इफ्तिखार हसन खान कनिष्ठ सहायक एवं राशिद वदूद खान आदि उपस्थित रहे।

गांव में सड़क नहीं, परेशान ग्रामीणों ने दी चक्काजाम की चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बजरंग पुरवा पोस्ट गंछा जिला बांदा के गांव वो आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। यहां ग्रामीण सुविधाओं के लिए वर्षो से सिर्फ मांग कर रहे हैं, लेकिन इनकी मांगों को जमीनी स्तर पर नहीं उतरा जा रहा है। जिसके कारण वनांचलों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव से स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का भी अभाव है, जिसके कारण बारिश के चार माह इनके लिए वनवास से कम नहीं रहते है। आवागमन में यहां के लोगों को काफी परेशानी होती है।

शहर से 5 किमी दूर बजरंग पुरवा पोस्ट गंछा जिला बांदा बसा हुआ है। यहां शहर से ग्राम में थोड़ा बहुत विकास तो हुआ है, पर मार्ग जर्जर हालत में है। बजरंग गांव आज भी विकास से कोसों दूर नजर आ रहा है। जहां ग्राम वासियों को स्कूल और शहर को मार्ग तक आने के लिए बारिश में कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इस समस्या के निराकरण के लिए ग्रामीणों डीएम आफिस सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी एवं प्रधान को आवेदन देकर सड़क निर्माण की मांग की गई। लेकिन आज तक सड़क निर्माण नहीं हो सका है। सड़क ना होने के कारण ग्रामीणों को बेहद परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना हैं कि मार्ग बेहद खराब है।

मार्ग जर्जर और उबड़ खाबड़ होने के कारण ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानी उठानी पड़ती है। बारिश के दौरान पूरा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है। जिसके कारण इस मार्ग से निकलना भी मुश्किल होता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। वहीं कोई इमरजेंसी सुविधा की जरूरत पड़ गई तो यहां के वंशिदों को एंबुलेंस सुविधा नहीं मिलती है।

कृषी मंत्री ने सर्किट हाउस में की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शनिवार को स्थित सर्किट हाउस में प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप साही ने बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एस.वी.एस. राजू एवं अपर निदेशक (सामान्य) जे.पी. चौधरी एवं संयुक्त निदेशक कृषि बांदा मण्डल एल.बी. यादव के साथ बांदा मण्डल में उर्वरक के वितरण और उपलब्धता, फसलों के आच्छादन, मिनीकिट वितरण, फसलों के प्रदर्शन, बुंदेलखंड प्राकृतिक खेती योजना, कृषि यंत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जनपदवार समीक्षा की तथा कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए। इस दौरान बांदा मण्डल के समस्त उपनिदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित बैंकों के प्रतिनिधि, लीड बैंक के मैनेजर एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी व्यवस्थाएं की जायें: डीएम

- डीएम एसपी ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा एवं पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने आज तहसील बबेरू के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र मर्का का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मर्का का निरीक्षण करते हुए मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान तथा अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर बाढ़ का पानी आ गया है, उस स्थान पर नाव सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन लोगों के घरों के पास पानी भर गया है उनको आवश्यक खाद्य सामग्री किट भी तत्काल व आवश्यक सहायता उपलब्ध कराए जाने के निर्देश तहसीलदार बबेरू को दिए। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अपने बच्चों को नदी के पास न जाने दे तथा ग्राम प्रधान को निर्देशित किया कि गांव के लोगों को जागरूक करें कि वह स्वयं एवं अपने बच्चों को नदी के पास नहाने अन्य किसी कार्य से ना भेजेंस उन्होंने आवश्यकता अनुसार लाइव जैकेट भी उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत बबेरू एवं तहसीलदार बबेरू सहित ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के आयुक्त ने किया दौरा, अधिकारियों को दिए निर्देश

बांदा। रविवार को आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बाँदा अजीत कुमार द्वारा तहसील पैलानी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय नायब तहसीलदार, पैलानी द्वारा अवगत कराया गया कि तहसील पैलानी के अंतर्गत 20 राजस्व ग्राम, यथा - सिंधनकला, लसड़ा, बसधरी, अदरी, रेंहुटा, नरी, अमचौली, शंकरपुरवा मजरा नांदादेव, नरायढ़, चिल्ला, तारा, खजुरी, लौमर, भवानीपुर, महबरा, चंदवारा, खप्टिहा कला, गौरी खुर्द, बरेहटा तथा पैलानी (आंशिक) - वर्तमान में बाढ़ से प्रभावित हैं।उक्त स्थिति की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी, बाँदा को कई बिंदुओं पर त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गए। जिसमें आयुक्त ने कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों में राहत एवं बचाव कार्यों हेतु आपदा प्रबंधन दलों की सक्रिय तैनाती की जाए।अस्थायी राहत शिविरों की स्थापना कर प्रभावित परिवारों के लिए आवास, पेयजल, खाद्यान्न एवं स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराई जाएं।ग्रामवार सूची तैयार कर अतिवृष्टि एवं जलभराव से संपत्ति, फसलों एवं पशुधन के नुकसान का त्वरित आकलन कराया जाए। निचले इलाकों से लोगों के सुरक्षित स्थानों पर विस्थापन एवं आवश्यक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।बाढ़ संभावित क्षेत्रों में 247 नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर सूचनाओं के आदान-प्रदान की निरंतर निगरानी की जाए।समस्त राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं पंचायतीराज विभाग के मैदानी कार्मिकों की उपस्थिति और समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

डीएम-एसपी ने रोपे पीपल बरगद और पाकड़ के पौधे

लोक भारती संग दिया हरियाली का संदेश

● सभी तहसीलों में हुआ हरिसंकरी का रोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित हरिशंकरी पौधारोपण अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिला। शनिवार को तहसील लखीमपुर परिसर में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने लोक भारती के पदाधिकारियों व पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे रोपे। इस अवसर पर डीएम ने सभी नागरिकों से अधिकाधिक पौधरोपण कर उन्हें संरक्षित करने की अपील करते हुए कहा कि हरिशंकरी वृक्षों का समूह भारतीय संस्कृति, पर्यावरणीय संतुलन और स्वास्थ्य का प्रतीक है। उन्होंने लोक भारती के प्रयासों और पर्यावरण मित्रों के योगदान की सराहना भी की।

पौधारोपण कार्यक्रम में एसडीएम सदर अंजनी कुमार सिंह, प्रांत समरसता प्रमुख डॉ. राम नरेश शर्मा, लोकभारती जिला संयोजक अतुल रस्तोगी, हरिशंकरी अभियान के जिला संयोजक मानवेंद्र सिंह 'संजय', सह संयोजक राममोहन गुप्त, विशाल सेठ, मयूरी नागर, नगर संयोजक सीमा गुप्ता, अनुश्री गुप्ता, कुमकुम गुप्ता, सुमन श्रीवास्तव, कुसुम गुप्ता सहित पर्यावरण मित्र समूह के प्रतिनिधि और अनेक समाजसेवी उपस्थित रहे। जिले की सभी सात तहसीलों में भी यह अभियान एक साथ संचालित हुआ, जहां लोक भारती के पदाधिकारियों की उपस्थिति में उप जिलाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों ने हरिशंकरी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पलियाकलां खीरी। भारत नेपाल सीमा पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थ के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की बाइक को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने बाइक को सीज करते हुए आरोपी पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया है। संपूर्णानगर थाना क्षेत्र के रानीनगर टपरा के निकट भारत नेपाल सीमा से पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम ने बाइक से नेपाल से भारत आने के दौरान एक नेपाली व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से 80 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है। बाइक के भी कोई प्रपत्र उसके पास नहीं थे। पुलिस की पूछताछ में उसने अपना नाम कृष्ण प्रसाद बडू निवासी पुनर्वास त्रिभुवन बस्ती कंचनपुर नेपाल का होना बताया। संपूर्णानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि भारत नेपाल सीमा के निकट एक नेपाली बाइक से भारत आ रहा था। उस नेपाली व्यक्ति पर संदेह हुआ। उसे रोक कर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 80 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है।

भीरा की अधूरी सड़क ने लिया दलदल का रूप, निवासी परेशान

● मोहल्ला पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर पंचायत भीरा का मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भीरा खीरी। भीरा में नगर पंचायत की अनदेखी के चलते निर्माणधीन रोड ने इन दिनों दलदल का रूप ले लिया है। आए दिन हादसों के बावजूद सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है जिससे मोहल्ले वासियों में रोष का माहौल है। लोगों ने उच्चाधिकारियों से शिकायत कर सड़क का जल्द निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की है। भीरा के मोहल्ला पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर की मुख्य सड़क तफसीर के मकान से भारत क्लिनिक तक गली व सीसी रोड निर्माण वित्तीय वर्ष 2022-23 में शुरू हुआ था, लेकिन लगभग ढ़ाई साल भी सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया जा सका। इन दिनों सड़क दलदल में बदल चुकी है, जिससे मोहल्ले वासियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने डीएम को पत्र भेजकर अपनी समस्या रखते हुए समाधान की मांग की है। डीएम को भेजे पत्र में बताया गया कि टेंडर निकलने और कार्य आवंटन के बावजूद ठेकेदार ने कार्य अधूरा छोड़ दिया। बीच सड़क में नाली का गलत सरेखण कर दिया गया, जिससे पानी भरने और कीचड़ जमने की स्थायी समस्या पैदा हो गई है। बरसात में सड़क पर पानी का तालाब बन जाता है, बच्चे और बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो रहे हैं, जबकि कई बार शिकायत दर्ज होने के बावजूद ठोस कार्यवाही नहीं हुई। लोगों ने कहा कि अगर जल्द ही सड़क निर्माण पूरा नहीं हुआ तो वह विरोध करते हुए आंदोलन करने पर विवश होंगे। इस संबंध में ईओ भीरा से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है वह जानकारी कर बताएंगे। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष पति संजय शुक्ला ने भी समस्या के संज्ञान में न होने की बात कही।

गदाईनाथ बाबा स्थान से जल भरकर छोटी काशी रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था

● जल लेकर रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पलिया खीरी। सावन के पवित्र माह में इन दिनों छोटी काशी गोला गोकरननाथ मंदिर में दूर दराज से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने आते हैं। इस समय हर हाईवे चौक चौराहों पर कांवड़ियों के जत्थे भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने गोला पहुंच रहे हैं। वहीं दशकों से भानपुर की भानपुर कांवर संघ भी छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ को जल भरकर भोलेनाथ का जलाभिषेक करती चली आ रही है। जो अबकी 13वीं बार तराई के भानपुर के पास बाबा गदाई नाथ देवस्थान के किनारे पर बह रही शारदा नदी से जल भरकर शनिवार को भानपुर, बिजुआ, अलीगंज होते हुए छोटी काशी के लिए 251 कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ। भानपुर कांवर संघ के संचालक आदित्य कुमार तिवारी ने बताया कि यह कांवर संघ दशकों से बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ भगवान भोलेनाथ के जयकारें लगाते हुए छोटी काशी गोला रवाना होता है और करीब चालीस किलोमीटर की दूरी को बूढ़े बच्चे जवान सभी पैदल चलकर छोटी काशी बाबा गोला गोकर्णनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

अब ग्रामप्रधानों की शिकायत करना आसान नहीं

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अब ग्राम प्रधानों की शिकायत करना आसान नहीं रहा ग्राम प्रधान की शिकायत केवल उसके ग्रामसभा का ही कोई निवासी हलफनामा लगाकर कर सकता है। उपरोक्त आदेश निदेशक पंचायती राज उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के समस्त जिला अधिकारियो को जारी किया गया है। इस संदर्भ में कौशल किशोर पांडे ए प्रदेश अध्यक्ष ग्राम प्रधान संगठन द्वारा 6/6/20 25 को दिए गए पत्र को ग्रहण करते हुए आदेश जारी किया गया कि ग्राम प्रधानों की शिकायत केवल और केवल संबंधित ग्राम सभा के निवासी द्वारा फलकनामा पर की गई हो जिसे स्वीकार किया जाए साथ में शिकायत फर्जी पाए जाने पर शिकायतकर्ता के विरुद्ध सुसंगत धारा मैं विधि कार्रवाई का आदेश जारी किया गया है जिसकी प्रति लिपि देश के समस्त जिला अधिकारियों को एसएन सिंह संयुक्त निदेशक (प0) पंचायती राज उत्तर प्रदेश द्वारा जारी किया गया है।

शिकायतों का गुणवत्तापरक, समयबद्ध निस्तारण करें अफसर : डीएम

● संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, लाभार्थियों को मिली योजनाओं की सौगात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर के लोक सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा ने एक ओर जहां फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और किट सौंपे। जनसुनवाई के दौरान डीएम व एसपी ने अन्य अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया और स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों से कहा कि शासन की प्राथमिकताओं में जनसमस्याओं का समाधान सर्वोपरि है। गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं का संवेदनशीलता से तुरंत समाधान करते हुए उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए संतोषजनक निस्तारण करें और भूमि विवादों में राजस्व-पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल कार्यवाही करे। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

इस समाधान दिवस में कुल 69 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत हुए, जिनमें से 08 का मौके पर निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग की 26, पुलिस विभाग की 17, विकास विभाग की 07, नगर निकाय की 05, आपूर्ति विभाग की 06, विद्युत और कृषि विभाग की 04-04 शिकायतें शामिल रहीं। सभी प्रार्थना पत्रों को पृष्ठांकित कर संबंधित विभागों को शीघ्र निस्तारण हेतु सौंपा गया। इस दौरान एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह तहसीलदार दिलीप कुमार सहित जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे। संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर तहसील सदर के लोक सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत चयनित पांच लाभार्थियों को पक्के घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी। वहीं, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पांच महिलाओं को ?5000-?5000 की धनराशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान मंच पर पीडी एसएन चौरसिया, एसडीएम अश्विनी कुमार सिंह और तहसीलदार दिलीप कुमार भी उपस्थित रहे। योजनाओं का लाभ पाकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

सम्मान निधि कार्यक्रम में घुसा सपा समर्थक दबंग

● मोदी–योगी को दी गालियां, किसानों में उबाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। ईसानगर क्षेत्र के कबिरहा गुरूदीनपुरवा स्थित साधन सहकारी समिति में शनिवार को प्रधानमंत्री सम्मान निधि वितरण कार्यक्रम के दौरान उस समय हड़कंप मच गया जब गांव का ही दबंग शेरा यादव पुत्र शिवनाथ यादव, जो समाजवादी विचारधारा से जुड़ा बताया जा रहा है, कार्यक्रम में घुसकर अभद्रता पर उतर आया। कार्यक्रम में एक विशाल टीवी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सीधा संबोधन प्रसारित हो रहा था। गांव के किसान, ग्रामीण और गणमान्य व्यक्ति पूरे ध्यान से दोनों शीर्ष नेताओं का भाषण सुन रहे थे। तभी अचानक शेरा यादव मौके पर पहुंचा और प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के प्रति गाली-गलौज व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने लगा। गांव के लोगों का कहना है कि यह कोई सामान्य घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित राजनीतिक उकसावे की कार्रवाई थी, जिसमें देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुखिया का अपमान किया गया। ग्रामीणों ने इसे यादव समुदाय के कुछ कट्टरपंथी तत्वों द्वारा भाजपा और सरकार के खिलाफ सुनियोजित नफरत का प्रदर्शन बताया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शेरा यादव की इस हरकत से कार्यक्रम में भारी अफरा-तफरी मच गई। किसानों में भारी आक्रोश फैल गया। समिति अध्यक्ष निरंकार सिंह व सचिव नवीन अवस्थी ने तत्काल इस घटनाक्रम की सूचना थानाध्यक्ष ईसानगर को दी और आरोपी के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय ग्रामीणों व किसानों ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि सरकार की ओर से किसानों के लिए चलाए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में इस तरह की गुंडई लोकतंत्र के खुले अपमान का प्रतीक है।

स्मैक किंग' की अवैध बादशाहत ढही, संपत्ति कुर्क

लखीमपुर खीरी। पलिया क्षेत्र बराबर मिल रही सूचना पुलिस आक्रामक रुख क्षेत्र में बना चर्चा का विषय ,नशे का कारोबार अब भारी पड़ेगा–यही संदेश प्रशासन ने आज कड़ा कदम उठाते हुए दिया। स्मैक और ब्राउन शुगर जैसे घातक मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कुख्यात तस्कर अनमोल गुप्ता पुत्र लाला उर्फ शिव कुमार गुप्ता की ?52.60 लाख की अवैध संपत्ति कुर्क कर ली गई। यह कार्रवाई पलिया कस्बे में की गई, जहां अनमोल के आलीशान मकान को प्रशासन ने सील कर दिया। बताया जा रहा है कि यह संपत्ति नशे के काले कारोबार से जुटाई गई थी। मौके पर तहसीलदार ज्योति वर्मा, सीओ यादवेंद्र यादव, प्रभारी निरीक्षक पंकज त्रिपाठी, और एसएसबी जवानों की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। सुरक्षा के मद्देनज़र डॉग स्क्वॉड की मदद से मकान की गहन तलाशी ली गई। प्रशासन की इस सख्त कार्यवाही से इलाके में हड़कंप मच गया है और नशे के कारोबार से जुड़े अन्य अपराधियों के बीच भी डर का माहौल बन गया है। यह कार्रवाई न केवल अवैध धन की जब्ती है, बल्कि एक सख्त चेतावनी भी कि मादक पदार्थों से समाज को बर्बाद करने वालों की अब खैर नहीं।

ग्रामीणों ने जांच समिति पर एकपक्षीय कार्यवाही करने का लगाया आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● समाधान दिवस में जिलाधिकारी से की शिकायत

बांदा। कन्या प्राथमिक विद्यालय द्वितीय गौशाला दलित बस्ती मजरा परतू पुरवा सहित दक्षिण हार के सैकड़ों किसानों के डूबे हुए फसलों को बचाने के लिए जिलाधिकारी बांदा द्वारा 25 जुलाई को गठित की जांच समिति सिर्फ एक पक्ष की ही बात सुनकर अन्याय का आरोप लगाया है।

तहसील बबेरू के ग्राम भदेहदू में लोकनिर्माण विभाग ओरण बबेरू रोड पर पूर्व से जल निकासी हेतु बनी पुलियों को पूर्व प्रधान राममूरत पटेल की सह पर अवैध कब्जा धारियों ने बन्द कर पुलियों के सामने घर बना लिया है जिसके कारण बरसात का पानी निकासी पूर्ण रूप से बन्द हो गया है इसी वजह से गांव में बने सरकारी कन्या प्राथमिक विद्यालय द्वितीय हफ्तों से बन्द पड़ा है बच्चों के लिए जोखिम भरा कठिन समस्या बन गई है साथ गांव की गौशाला कमर तक पानी से लबालब है जिसके कारण गौवंशों को सड़कों पर बैठने को मजबूर है राहगीरों व मवेशियों को हर समय जान का खतरा बना रहता है एवं अत्यधिक जल भराव से दलित बस्ती मजरा परतू पुरवा व दक्षिण हार के 500 बीघा सैकड़ों किसानों की धान की नर्सरी एवं अन्य पूरी तरह जल निकासी न होने से सड़ गई है उक्त समस्या के समाधान हेतु सैकड़ों लोगों ने अनेकोबार ग्राम प्रधान, सचिव, लेखपाल, कानूनगो, नायब तहसीलदार, खण्ड विकास अधिकारी बिसंडा तहसीलदार बबेरू, उपजिलाधिकारी बबेरू, जिला कृषि अधिकारी बांदा,मुख्य विकास अधिकारी बांदा, अपर जिला अधिकारी बांदा, जिलाधिकारी बांदा , आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा, सम्पूर्ण समाधान तहसील दिवस बबेरू, थाना समाधान बबेरू, मुख्यमंत्री पोर्टल पर सैकड़ों बार प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगा चुके हैं तब जिलाधिकारी बांदा के आदेशानुसार अपर जिलाधिकारी बांदा ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी किंतु 5 दिन बीत जाने के बाद जांच समिति ग्राम भदेहदू पहुंची हकीकत जानने के बाद भी अधिकारी पीड़ित किसानों की न सुनकर सिर्फ पूर्व प्रधान राममूरत पटेल व अवैध कब्जा धारियों के ही पक्ष की सुनवाई एवं एकपक्षीय कार्यवाही शुरू करने पर पीड़ित सैकड़ों किसान पुनः तहसील प्रशाशन सहित जिले के उच्च अधिकारियों से मिलकर न्याय हेतु निष्पक्ष जांच कराने के लिए निवेदन किया। उक्त गम्भीर समस्या के समाधान हेतु निष्पक्ष जांच करवा कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की कृपा करें महान दया होंगी अन्यथा मजबूरन हम पीड़ित किसानों को सपरिवार अनशन आंदोलन सड़को पर उतरना पड़ेगा जिसके लिए गठित जांच समिति जिम्मेदार होगी। इस मौके पर रामेश्वर, सरोज, भगवानदास, बुद्धबिलास, राजेंद्र, महेंद्र कुमार, बंदू, अशोक, सरोज, रामभवन, रजनी, दिनेश, गणेशा, सभाजीत, राजेश, गया, ऋषिकेश, राहुल, मनीष, केशकुमार, किशोरा, अप्पू, श्रवण कुमार, जयराज ,प्रेमलाल, रमाकांत , गऊदीन, मुन्ना, भाऊ, रंजीत, आदि कई दर्जन लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

शेरपुर में धूमधाम से निकली श्रीमहारुद्र यज्ञ की भव्य कलशयात्रा

अजान खीरी। भगवान भोलेनाथ की पावन नगरी छोटीकाशी गोला के निकटवर्ती गांव शेरपुर में भगवान भोलेनाथ को समर्पित श्री रूद्रमहायज्ञ की भव्य कलशयात्रा धूमधाम से शुरू हुई। इस महायज्ञ को नैमिषारण्य के वैदिक यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार बाजपेई, आचार्य द्विजेन्द्र कुमार बाजपेयी, आचार्य कृष्णावतार मिश्रा व आचार्य प्रवीण कुमार मिश्रा, आचार्य अमन त्रिवेदी के मार्गदर्शन में होने जा रही है। इस महायज्ञ में मुख्य यजमान अंजनी कुमार दीक्षित, रामजी शुक्ला, बृज बिहारी शुक्ला, आशीष कुमार शुक्ला, विजय कुमार शुक्ला, अतुल तिवारी, श्याम किशोर शुक्ला सभी सपत्नीक ने वैदिक मंत्रोच्चार से देवताओं की पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात पौराणिक उल्ल नदी का जल लेने के लिए सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश रखकर पूरे गांव में भ्रमणकर ट्रैक्टर ट्राली से रवाना हुईं। इस महायज्ञ में ग्राम शेरपुर, सेमरई, सकेथू, बांसगांव, बसही, भल्लिया बुजुर्ग, टेडवा, राजेपुर, जिगनहा खानपुर, कंधरापुर सहित कई गांवों के शिवभक्त शामिल हो रहे हैं। सायंकालीन वेला में वृन्दावन की रासलीला मंडली द्वारा सुंदर लीलाओं का मंचन किया जाएगा, जिसमें श्रीराधाकिशोरी सेवा संस्थान श्रीधामवृंदावन मथुरा के द्वारा रासलीला का मंचन किया जाएगा।

सीतापुर में दर्दनाक हादसा: दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सीतापुर जिले के थाना मिश्रिख क्षेत्र के सिधौली मिश्रिख रोड पर कल्ली चौराहे के आगे काशीपुर के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ। दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल डायल 108 एम्बुलेंस को बुलाया, जो मौके पर पहुंचकर घायलों को सीएचसी मिश्रिख में भर्ती करवाया। घायलों की पहचान गुलशन, सौरभ और रेशमा के रूप में हुई है, जो बसंतपुर के रहने वाले हैं। एम्बुलेंस टीम की तत्परता और सूझबूझ से घायलों को समय पर इलाज मिल सका। घायलों का इलाज चल रहा है, और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आयोजित संपूर्ण दिवस समाधान दिवस में आई 43 शिकायतों में 4 का मौके पर निस्तारण

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला के सभागार में उप जिलाधिकारी युगांतर त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित किए गए संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों की आई 43 इकाईतो में चार का मौके पर निस्तारण किया गया। आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग की 18, पुलिस विभाग की 9 खाद एवं रसद विभाग की 6 संयुक्त जांच हेतु पांच ग्राम विकास विभाग के दो विद्युत विभाग की एक कृषि विभाग की एक नगर विकास विभाग एक शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें खाद एवं रसद विभाग की क्या शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को अति शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की गई। आज के तहसील दिवस में शिवम कुमार क्षेत्राधिकार गोला पुलिस भीमचंद्र तहसीलदार सर्वेश कुमार यादव भान प्रताप सिंह नायक तहसीलदार सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ड्रोन कैमरों से रेकी कर, चोरों ने पांच घरों को बनाया निशाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● लाखो की नगदी सहित आभूषण किये पार, ग्रामीणो ने कई राउंड फायर कर बदमाशों को खदेड़ा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के थाना नीमगांव अंतर्गत सिकंद्राबाद कस्ता हाइवे पर बसे गांव पिपरी नरायनपुर मे विति रात ड्रोन कैमरो की निगरानी कर बदमाशो ने पांच घरो से लाखो रूपयों की नगदी के सहित लाखो के अभूषण पार कर फरार हो गए। सूचना पर पहुची नीमगांव पुलिस ने किया मौका मुआयना। सडक पर मकान बनाकर रह रहे राम सनेही पुत्र सुरेश कुमार के यहा सामने बैठक की खिडकी की ग्रिल तोड़कर घर के अंदर दाखिल हो कर लगभग आठ तोला सोना व चांदी आठ हजार की नगदी चोरी हो गई जबकि घर बाले सभी लोग छत पर सो रहे थे। इसके साथ ही गांव के अन्दर विनोद तिवारी पुत्र परशूराम तिवारी के यहा अन्दर चोरो ने पिछे से सीढी लगाकर घर मे दाखिल हो कह एक सेफ व बक्से मे रखे पांच तोला सोना लेकर फरार हो गये। जवकि घर के लोग बैठक बाले कमरे मे लेटे हुये थे।

इसके पश्चात गिरिश चंद्र पुत्र रूपेस कुमार के यहां भी घर के पिछवाड़े से अन्दर दाखिल हो गये और पंद्रह हजार की नगदी के सहित पांच तोला सोना उठा ले गये।आकाश कुमार पुत्र काली चरण के यहा भादो तोला सोना व चार सौ ग्राम की चांदी के सहित चालीस हजार की चांदी चोरी हो गई। इसके पश्चात सडक पर ही मकान बनाकर रह रहे पुतिन पुत्र चंद्र भाल के यहां भी पिछे के रास्ते से छत पर चढकर घर के अंदर जिने से दाखिल होकर घर के अंदर बक्से मे रखे 65 हजार रूपये व तीस हजार तक के सोने के जेवर लेकर फरार हो गये ये लोग भी घर के अंदर बरामदे मे सो रहे थे।

जब चोरी घटना की जानकारी ग्रामीणो को रात लगभग ढाई बजे लगी तो ग्रामीणो ने अपनी अपनी लाइसेन्सी बंदूक से बदमाशो को खदेडा। इसके फौरन बाद ही ग्रामीणो ने डायल 112 को सूचित करते हुये थाना नीमगांव को भी सूचित किया। डायल 112 की गाडी ने रात को ही मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। फिलहाल इस बडी बारदात से गांव व क्षेत्र वाले दहशत मे है और नीमगांव पुलिस की रात्री गस्त पर भी सवालिया निशान लगा रहे है।इस बात की जब जानकारी नीमगांव थानाध्यक्ष से लेनी चाही तो उनका सीयूजी नंबर स्वीच आफ आ रहा था।जितेंद्र सिंह परिहार पुलिस क्षेत्राधिकारी मितौली

नीमगांव थाना क्षेत्र के गांव पिपरी नरायनपुर मे पांच घरो मे चोरो ने चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने बाद मौके पर फिंगर प्रिंट ऐक्सपर्ट टीम को भेज कर जांच कराई जा रही है।

अवैध तमंचे के साथ दबंगई कर रहे एक अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध मादक पदार्थों व अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना कमासिन पुलिस पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । गौरतलब हो कि आज थाना कमासिन पुलिस पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अछरील में एक युवक में भ्रमण कर रहा है जिनके पास अवैध तमंचा मौजूद है । सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर घेराबन्दी कर आवश्यक बल का प्रयोग करते हुए युवक को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा व 02 जिन्दा कारतूस बरामद हुए । गिरफ्तार अभियुक्त का नाम अभिषेक निषाद पुत्र मिथिलेश निषाद निवासी ग्राम चिल्लीमल थाना सरथुवा जनपद चित्रकूट ।

जो रूट को चिढ़ाना भारत की रणनीति का हिस्सा था : प्रसिद्ध कृष्णा

एजेंसी

लंदन। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 'अच्छे दोस्त' जो रूट के साथ पांचवें और आखिरी क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन हुई नोंकझोंक का पूरा मजा लिया और उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के इस अनुभवी बल्लेबाज को गुस्सा दिलाना टीम की रणनीति का हिस्सा था। प्रसिद्ध और रूट के बीच तनाव के कारण अंपायरों को दखल देना पड़ा। आम तौर पर शांत रहने वाले रूट 22वें ओवर में चौके बाद प्रसिद्ध की टिप्पणी से खुश नहीं थे। प्रसिद्ध ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' यह छोटी सी बात थी। प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने की वजह से ऐसा हो जाता है। हम मैदान से बाहर अच्छे दोस्त हैं। यह हल्की नोंकझोंक थी और हम दोनों ने इसका मजा लिया। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि रूट को चिढाना अनायास नहीं हुआ था। उन्होंने कहा ,''यह हमारी रणनीति थी। लेकिन मैने सोचा नहीं था कि मेरे कुछ शब्दों पर वह इतनी कड़ी प्रतिक्रिया देंगे। जैसा कि मैने कहा कि मुझे वह बहुत पसंद है और वह खेल के लीजैंड हैं। इस गेंदबाज ने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम दोनों अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। बल्लेबाज से हल्की फुल्की बात होते रहने पर गेंदबाजी में मुझे मजा आता है। इससे और मदद मिलती है जब बल्लेबाज भी आवेश में आकर प्रतिक्रिया देता है। पहले सत्र में इंग्लैंड के बल्लेबाजों के दबाव बनाने के बाद तेज गेंदबाजों में आपस में क्या बात हुई, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,'' एक टीम के तौर पर हमें पता था कि लंच के पहले क्या हुआ। तीनों तेज गेंदबाजों ने एक कोने में जाकर आपस में बात की और तय किया कि जो हुआ, वह हो गया। अब हमें सही लाइन और लैंग्थ से गेंदबाजी करके वापसी करनी होगी। इंग्लैंड के बेन डकेट को आउट करने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने मुस्कुराते हुए उनके कंधे पर हाथ रखा जो बल्लेबाज को पसंद नहीं आया। इंग्लैंड के बल्लेबाजी कोच मार्कस ट्रेसकोथिक ने कहा कि आकाश दीप को ऐसा करने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि मेरे समय में अधिकांश बल्लेबाज उसे कोहनी लगा देते या कुछ अलग करते। मैने कभी किसी गेंदबाज को किसी बल्लेबाज को आउट करने के बाद ऐसा करते नहीं देखा। ऐसा करने की कोई जरूरत भी नहीं थी।

विश्वास, टीम भावना से की भारत ने वापसी, कहा प्रसिद्ध ने

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट में वापसी का श्रेय आपसी विश्वास, जिम्मेदारी और तेज गेंदबाजी ईकाई के तालमेल को दिया है। पहले सत्र में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों ने पांचवें और आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन बाकी दोनों सत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 247 रन पर आउट करके सिर्फ 23 रन की बढत लेने दी। प्रसिद्ध ने बीसीसीआई की वेबसाइट पर डाले वीडियो में कहा ,' हम तीनों ने ब्रेक में बात की थी। हमने कहा कि जो हुआ, वह हो चुका है। हमें यह देखना है कि आगे क्या करना है। उन्होंने कहा ,''हमने यह सुनिश्चित किया कि गेंदबाजी के समय एक दूसरे के साथ खड़े होंगे। अगर कुछ बदलाव करना होगा तो करेंगे। एक दूसरे के पास जाकर एक दूसरे को बताते रहेंगे कि क्या करना है। हम बहुत खुश है कि एक दूसरे को बेहतर प्रदर्शन के लिये प्रेरित करते रहे।

भारत की महिला टीम ने जीता विश्व कुश्ती चैंपियनशिप अंडर-17 का खिताब

- दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक किया अपने नाम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) ने घोषणा की कि भारत ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिला टीम का खिताब अपने नाम किया है। डब्ल्यूएफआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि को साझा करते हुए कहा, ़भारत ने 151 अंकों के साथ अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिला टीम का ताज हासिल किया। अमेरिका ने दूसरा और जापान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। यह भारतीय युवा पहलवानों के लिए गर्व का पल है। डब्ल्यूएफआई के मुताबिक, भारतीय महिला कुश्ती टीम ने कुल छह पदक जीते, जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि भारत की अंडर-17 महिला कुश्ती टीम के लिए विश्व स्तर पर लगातार दूसरी शानदार जीत को दर्शाती है। 151 अंकों के साथ भारत ने कुश्ती की मजबूत टीम अमेरिका को पीछे छोड़ा, जो 142 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि जापान 113 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर रहा।

ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025: मैग्नस कार्लसन ने अलीरेजा फिरौजा को हराकर जीता खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। मैग्नस कार्लसन ने शुक्रवार को रियाद में ईस्पोर्ट्स विश्व कप में शतरंज स्पर्धा के फाइनल में अलीरेजा फिरोजा को हराकर अपने खाते में एक और ट्रॉफी जोड़ ली। कार्लसन ने अपने प्रतिद्वंद्वी को चार जीत, दो ड्रॉ और एक हार के कुल स्कोर से धूल चटा दी। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने शुरुआती सेट में शानदार प्रदर्शन किया, एक जीत और दो ड्रॉ जीतकर स्कोर 3-1 कर दिया और अपनी बढ़त मज़बूत कर ली। दूसरे सेट में जाने से पहले, फ़िरोज़ा के पलटवार के कारण कार्लसन 50 चालों के बाद अपना रूक ग़लती से खेल बैठे, जिससे फ़िरोज़ा को सीरीज़ की एकमात्र जीत मिली। कार्लसन ने दूसरे गेम में वापसी की और अपने सोचे-समझे खेल से फ़िरोज़ा को कड़ी टक्कर दी। फ़िरोज़ा दबाव में दिख रहे थे, और उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में ज़्यादा समय बर्बाद किया। तीसरे गेम में फ़िरोज़ा की एक गलती ने सीरीज़ को 2-1 कर दिया, और कार्लसन मैच पॉइंट पर थे। इसके बाद, फ़िरोज़ा की कमज़ोर शुरुआत का कार्लसन ने फायदा उठाया और अंततः फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर को सिर्फ़ दो सेटों में हरा दिया।

लक्ष्य, मन्नेपल्ली मकाऊ ओपन सेमीफाइनल में हारकर बाहर

एजेंसी

मकाऊ। भारत का मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया जब लक्ष्य सेन और तरूण मन्नेपल्ली पुरूष एकल सेमीफाइनल मुकाबले हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और मौजूदा राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य को इंडोनेशिया के अलवी फरहान ने 39 मिनट में 21-16, 21-9 से हराया। वहीं तरूण मन्नेपल्ली को मलेशिया के जस्टिन होह ने तीन गेम के मुकाबले में मात दी। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज तेईस वर्ष के मन्नेपल्ली ने मजबूत शुरूआत की लेकिन कई गलतियों के कारण एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 16-21, 16-21 से हार गए। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य के लिये यह सत्र कठिन रहा है जो सात बार पहले और दो बार दूसरे दौर से बाहर हो गए। कंधे, कमर और टखने की चोटों से जूझ रहे लक्ष्य ने पेरिस में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले आत्मविश्वास हासिल करने के लिये यह टूर्नामेंट खेला था। 2003 विश्व जूनियर चैम्पियन फरहान ने शानदार प्रदर्शन करके उन्हें फाइनल में जगह नहीं बनाने दी। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज फरहान ने 0-3 से शुरूआत करके पहले गेम के पहले ब्रेक तक 11-7 की बढत बना ली। उन्होंने बेहतरीन ड्रॉप शॉट, रेलियां और स्मैश लगाते हुए लक्ष्य को दबाव में ला दिया। लक्ष्य ने भी कुछ अच्छे स्ट्रोक्स लगाये लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही। बैकहैंड विनर लगाकर उन्होंने स्कोर 13-19 किया लेकिन फरहान ने उनका शॉट नेट में जाने के बाद पांच अंक लेकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। फरहान ने 5-4 की बढत बना ली और 38 शॉट की रेली उनके बेहतरीन क्रॉस स्मैश पर खत्म हुई। ब्रेक तक फरहान के पास 11-5 की बढत थी। इसे उन्होंने 14-6 कर लिया। लक्ष्य का शॉट वाइड जाने और फिर शटल नेट में फंसने के कारण फरहान को 12 मैच प्वाइंट मिले जिस पर उन्होंने मैच अपने नाम कर लिया। पहले मैच में मन्नेपल्ली ने शुरूआत शानदार की और 11-6 से बढत भी बना ली लेकिन सहज गलतियों के कारण दबाव में आ गए। जस्टिन होह ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए वापसी की। मन्नेपल्ली ने हालांकि फिर बढत बनाकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी मन्नेपल्ली की गलतियों का सिलसिला जारी रहा और जस्टिन ने 8-6 से बढत बना ली। मन्नेपल्ली ने 13-13 से वापसी की लेकिन इसके बाद उनके दोनों शॉट बाहर निकल गए। जस्टिन ने 17-14 की बढत बना ली और फिर मन्नेपल्ली की लगातार गलतियों का फायदा उठाकर चार अंक लेकर गेम अपने नाम किया। निर्णायक गेम में मन्नेपल्ली ने 6-3 की बढत से शुरूआत की लेकिन जस्टिन ने जल्दी ही बराबरी की।

जुलाई में हवाई जहाज से नेपाल आने वाले पर्यटकों में सबसे ज्यादा भारतीय

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में जुलाई 2025 में हवाई जहाज से 70,000 से ज्यादा पर्यटक आए, जिनमें सबसे अधिक संख्या भारतीय पर्यटकों की थी। पर्यटन अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने बताया कि इस साल के पहले सात महीनों में देश में हवाई मार्ग से कुल 6,47,882 पर्यटक आए, जो कोविड-19 के बाद की अवधि में सबसे ज़्यादा है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल जुलाई में नेपाल में हवाई मार्ग से 70,193 यात्री आए, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों में, जुलाई में 27,152 (38.7 प्रतिशत) पर्यटकों के साथ भारतीय शीर्ष पर रहे। इसके बाद चीन से 6,890 (9.8 प्रतिशत) और अमेरिका से 6,626 (9.4 प्रतिशत) पर्यटक आए। बांग्लादेश 4,413 (6.3 प्रतिशत) पर्यटकों के साथ चौथे और ब्रिटेन 3,547 (5.1 प्रतिशत) पर्यटकों के साथ पांचवें स्थान पर रहा। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुख्य कार्पालक अधिकारी (सीईओ) दीपक राज जोशी ने कहा, हाल के दिनों में पर्यटकों की बढ़ती संख्या का श्रेय प्रचार कार्यक्रमों, निजी क्षेत्र से निवेश प्रवाह और विविध पर्यटन उत्पादों को दिया जा सकता है, क्योंकि देश 'नेपाल भ्रमण दशक' (2025-2035) मना रहा है। नेपाल भारतीयों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है, जो तीर्थयात्रा और साहसिक पर्यटन, दोनों के लिए इस पड़ोसी हिमालयी देश में आते हैं।

गोवा की नई लवण-प्रतिरोधी धान किस्म 2026 खरीफ सत्र के लिए तैयार

पणजी। गोवा के कृषि मंत्री रवि नाइक ने कहा कि राज्य की नवीनतम धान किस्म 'गोवा धान-5' 2026 के खरीफ सत्र में बड़े पैमाने पर खेती के लिए तैयार है। धान की यह किस्म लवणता, जलभराव और फसल गिरने के प्रति बेहतर प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करती है। नाइक ने शुक्रवार को विधानसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि नई किस्म इस समय अपने परीक्षण के दूसरे वर्ष में है और यह पहले ही आशाजनक परिणाम दिखा चुकी है। वह निर्दलीय विधायक एलेक्सियो रेजिनाल्डो लौरेंको के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार गोवा धान-5 को पहले की लवण-सहिष्णु किस्मों के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है। नाइक ने कहा कि जहां पिछली धान किस्में खारे पानी की स्थिति के प्रति सहनशील हैं।

भारत बना सकता है साइबर सुरक्षा में अगली दिग्गज कंपनी: प्रयांक स्वरूप, एक्सेल

एजेंसी

नयी दिल्ली। एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप का कहना है कि भारत साइबर सुरक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और मौजूदा वक्त वैश्विक सुरक्षा कंपनियों की अगली पीढ़ी को परिभाषित कर सकता है। बेंगलुरु में एक्सेल के साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन में पीटीआई-भाषा से बात करते हुए स्वरूप ने भारतीय संस्थापकों से इस संबंध में कार्रवाई करने का स्पष्ट आह्वान किया। उन्होंने कहा, भारत में 1,400 से ज़्यादा साइबर सुरक्षा स्टार्टअप हैं, लेकिन केवल 235 को ही वित्तपोषण मिला है और केवल छह ही सार्वजनिक हुए हैं। हम अभी शुरुआत ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, यह अगले तीन वर्षों में 377 अरब डॉलर का अवसर है। भारतीय संस्थापकों के पास इस दिशा में निर्माण करने का एक वास्तविक मौका है। एक्सेल क्राउडस्ट्राइक के शुरुआती निवेशकों में से एक है। क्राउडस्ट्राइक का मूल्यांकन अब 116 अरब डॉलर से अधिक है। स्वरूप ने कहा, हमने क्राउडस्ट्राइक का तब समर्थन किया था जब इसका राजस्व 50 लाख डॉलर से कम था। इसके आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले हमने तीन दौर का नेतृत्व किया था। महान साइबर सुरक्षा कंपनियों को समय लगता है, लेकिन जब वे स्थापित होती हैं, तो वे उद्योग को नया रूप देती हैं। स्वरूप का मानना है कि जेन-एआई (सृजन से जुड़ी कृत्रिम मेधा) अगली लहर को परिभाषित करेगी। उन्होंने कहा, एआई रणनीति को नए सिरे से लिख रहा है।

हिमाचल प्रदेश बिजली बोर्ड को वर्षों घाटे के बाद 2024-25 में 315 करोड़ रुपये का मुनाफा

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 315 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। एचपीएसईबीएल का कुल घाटा 31 मार्च, 2024 तक 3,742 करोड़ रुपये था। एक सरकारी प्रवक्ता ने बयान में कहा, ड्ढकई वर्षों तक घाटे का सामना करने के बाद, यह बोर्ड द्वारा दर्ज किया गया अब तक का सबसे अधिक मुनाफा है। यह उपलब्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि मौजूदा राज्य सरकार की 'नई सोच, नया हिमाचल' के लिए प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हिमाचल सरकार ने अपने सुधारों, पारदर्शी प्रशासनिक नीतियों और वित्तीय अनुशासन के माध्यम से बोर्ड को घाटे से उबरने और मुनाफ़े में आने में मदद की।

अमेरिकी शुल्क एशियाई समकक्षों की तुलना में भारतीय वाहन, टायर उद्योगों के प्रति अधिक पक्षपातीः इक्रा

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने शनिवार को कहा कि भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क घरेलू वाहन कलपुर्जा उद्योग और टायर विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में प्रतिकूल स्थिति में डाल देता है, जहां शुल्क कम है। अमेरिकी प्रशासन ने सात अगस्त से भारत से आने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क लगाने की घोषणा की है। इसमें कहा गया, भारतीय आयात पर अमेरिका द्वारा 25 प्रतिशत शुल्क लगाने से भारत के वाहन और टायर उद्योग में चिंताएं बढ़ गई हैं, क्योंकि दोनों ही उद्योग अमेरिकी बाजार में पर्याप्त निर्यात जोखिम रखते हैं। इक्रा ने कहा कि भारत के वाहन कलपुर्जा निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और टायर निर्यात में 17 प्रतिशत है, इसलिए शुल्क में बढ़ोतरी से भारतीय विनिर्माताओं को जापान, वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे एशियाई समकक्षों की तुलना में नुकसान होगा, जहां कम या तरजीही शुल्क लागू हैं। इसमें कहा गया है कि खासकर ऑफ-हाइवे और सिर्फ टायर खंड में, और विभिन्न वाहन कलपुर्जा में शुल्क में बढ़ोतरी से भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। हालांकि, पहले भारतीय टायर निर्यातकों को चीनी प्रतिस्पर्धियों पर मामूली बढ़त हासिल थी, लेकिन अब अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को दी जाने वाली कम शुल्क दरों से यह बढ़त कम हो सकती है। वाहन कलपुर्जा निर्यातकों, विशेष रूप से अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भर निर्यातकों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने भौगोलिक क्षेत्रों में विविधता लाएं और लागत दक्षता में सुधार करके इस प्रभाव को कम करें। वाहन कलपुर्जा उद्योग ने पिछले वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 80.2 अरब डॉलर (6.73 लाख करोड़ रुपये) का कारोबार दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल से अधिक होने का अनुमानः इक्रा

कोलकाता। शोध फर्म इक्रा के मुताबिक चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल के स्तर से पर्याप्त अधिक हो सकती है। इक्रा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि अनुकूल मानसून की मदद से, सामान्य बुवाई क्षेत्र के 76 प्रतिशत पर खरीफ की बुवाई पूरी हो चुकी है और जुलाई 2025 तक इसमें सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि होगी। जून और जुलाई के बरसात के महीनों में बोई जाने वाली खरीफ फसलें मुख्य रूप से मूंग, चावल और मक्का हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि अगस्त और सितंबर के दौरान सामान्य से अधिक बारिश का मौसम विभाग का पूर्वानुमान खरीफ फसलों की निरंतर बुवाई के लिए अच्छा संकेत है, और जलाशयों के भर जाने से अक्टूबर से मार्च तक रबी सत्र के दौरान भी बुवाई को बढ़ावा मिलेगा। इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2025 के दौरान भारत में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पूरे दक्षिण-पश्चिम मानसून सत्र के दौरान बारिश की मात्रा दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 106 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

मेस्सी का भारत दौरा : पहला चरण कोलकाता में, दिल्ली , मुंबई और अहमदाबाद भी स्वागत को तैयार

कोलकाता। अगर सब कुछ अनुकूल रहा तो कोलकाता के फुटबॉलप्रेमियों को एक दशक बाद महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के दीदार का मौका मिलेगा जो कोलकाता के बाद अहमदाबाद, मुंबई और दिल्ली भी जायेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। जानकार सूत्रों ने बताया कि मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम की बुकिंग समेत सारी औपचारिकतायें पूरी कर ली गई है लेकिन मेस्सी की ओर से आधिकारिक पुष्टि मिलना बाकी है। सूत्र ने कहा ,'' सब कुछ तय हो गया है और हमें मेस्सी से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। जल्दी ही उसके सोशल मीडिया हैंडिल पर इसकी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा ,'' अभी प्रस्तावित कार्यक्रम पर सहमति बन गई है। हमें सोशल मीडिया पर उनकी ओर से पुष्टि का इंतजार है जो जल्दी ही आयेगी। कार्यक्रम के अनुसार मेस्सी 12 दिसंबर को रात दस बजे कोलकाता पहुंचेंगे जहां वह दो दिन और एक रात रूकेंगे। कोलकाता में 13 दिसंबर को सुबह नौ बजे 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम होगा जिसके बाद वीआईपी रोड पर लेकटाउन श्रीभूमि में उनकी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण होगा। इसके बाद वह ईडन गार्डंस जायेंगे जहां दोपहर 12 से डेढ बजे तक जीओएटी कप और जीओएटी कन्सर्ट होगा। सूत्र ने कहा ,'' वह प्रति टीम सात खिलाड़ियों का सॉफ्ट टच और सॉफ्ट बॉल मैच खेलेंगे जिसमें सौरव गांगुली, लिएंडर पेस, जॉन अब्राहम और बाईचुंग भूटिया भी होंगे। ईडन गार्डंस पर होने वाले इस आयोजन के लिये टिकट की न्यूनतम दर 3500 रूपये होगी। हमें उम्मीद है कि 68000 की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा होगा। मेस्सी वहां एक घंटा 20 मिनट तक होंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें वहां सम्मानित कर सकती हैं। मेस्सी 13 दिसंबर की शाम को अहमदाबाद में अडाणी फाउंडेशन के निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। वह 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे जहां सीसीआई पर शाम 3.45 पर 'मीट एंट ग्रीट ' कार्यक्रम होगा। इसके बाद वानखेड़े स्टेडियम पर 5.30 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। सूत्र ने बताया कि इसके लिये वानखेड़े स्टेडियम की बुकिंग हो चुकी है। मीडिया रपटों में कहा गया था कि मेस्सी सात सात खिलाड़ियों वाला क्रिकेट मैच एम एस धोनी और विराट कोहली के साथ खेल सकते हैं लेकिन सूत्र ने इससे इनकार किया। उन्होंने कहा कि मुंबई में कोई क्रिकेट मैच नहीं हागा। भारतीय हस्तियों की मौजूदगी में सॉफ्ट बॉल और सॉफ्ट टच मैच ही होगा जो उनके सफर का जश्न होगा। इसके बाद वह भारतीय फुटबॉल टीम से बात कर सकते हैं। वह 15 दिसंबर को दिल्ली आयेंगे जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। इसके बाद फिरोज शाह कोटला स्टेडियम पर दोपहर 2.15 से जीओएटी कप और कन्सर्ट होगा। हर शहर में वह बच्चों के साथ मास्टर क्लास भी लेंगे। सूत्र ने बताया कि उनके भारत दौरे पर केरल जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। मेस्सी इससे पहले 31 अगस्त 2011 को कोलकाता आये थे जहां उन्होंने अर्जेंटीना टीम के साथ वेनेजुएला के खिलाफ मैच खेला था और 1-0 से जीते थे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विश्व शतरंज चैंपियन दिव्या देशमुख को तीन करोड़ रूपये पुरस्कार दिया

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को यहां फिडे महिला शतरंज विश्व कप चैंपियन दिव्या देशमुख को सम्मानित किया और उन्हें तीन करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया। उन्नीस साल की दिव्या 28 जुलाई को महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। उन्होंने फाइनल के टाई ब्रेकर में हमवतन कोनेरू हम्पी को हराया जिससे वह खिताब जीतने के साथ ग्रैंडमास्टर भी बन गईं। दिव्या नागपुर की मूल निवासी हैं जहां से मुख्यमंत्री फडणवीस भी आते हैं। दिव्या ने शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्हें सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस और नागपुर के लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि जीवन में ऐसे पल बहुत कम ही मिलते हैं। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत खास पल है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं बच्चों के लिए प्रोत्साहन और प्रेरणा का एक छोटा सा हिस्सा बन सकी। मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार और महाराष्ट्र शतरंज संघ को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिव्या को नकद पुरस्कार के रूप में तीन करोड़ रुपये का चेक सौंपा और उनके भविष्य के प्रयासों में सहयोग का आश्वासन दिया।

पूर्व ब्राज़ीली डिफेंडर डेविड लुइज़ ने फोर्टालेज़ा क्लब छोड़ा

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेविड लुइज़ ने ब्राज़ीलियन सेरी-ए क्लब फोर्टालेज़ा से नाता तोड़ लिया है। क्लब के साथ उनका अनुबंध केवल सात महीने ही चला और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त कर दिया गया। 38 वर्षीय डेविड लुइज़ ने शुक्रवार को अपने साथियों और क्लब स्टाफ से विदाई ली। ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, वह अब साइप्रस के शीर्ष क्लब पाफोस एफसी के साथ तीन साल के अनुबंध के लिए सिद्धांततः सहमत हो गए हैं। लुइज़ ने जनवरी में फोर्टालेज़ा में फ्री ट्रांसफर के ज़रिए शामिल होने के बाद से सभी प्रतियोगिताओं में केवल 16 मैच खेले थे। उनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक था, जिसमें 12 महीने के विस्तार का विकल्प भी शामिल था। डेविड लुइज़ को ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के लिए 57 मैच खेला है। उनके करियर में बेनफिका, चेल्सी, पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल और फ्लेमेंगो जैसे दिग्गज क्लबों के साथ खेलने का अनुभव रहा है।

अमेरिका के ताजा वित्तीय आंकड़े पेश कर रहे हैं चिंताजनक तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड अपने देश में स्वर्ण युग लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन इस सप्ताह आए कमजोर आर्थिक आंकड़े चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि उनकी नीतियों के प्रभाव अब स्पष्ट होते जा रहे हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक नौकरियों में वृद्धि कम हो रही है, महंगाई बढ़ रही है और पिछले साल की तुलना में वृद्धि दर धीमी हो गई है। ट्रंप ने अब तक अपने छह महीने से कुछ ज्यादा कार्यकाल के दौरान शुल्क में बढ़ोतरी की।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

ट्रंप का मोहरा बन गए हैं राहुल गांधी

- आपरेशन सिंदूर के बाद से लगातार ट्रंप की बातों का समर्थन कर रहे हैं नेता प्रतिपक्ष
- ट्रंप को लेकर सपा नेता अखिलेश यादव समेत पूरा विपक्ष भी मोदी पर हमलावर
- ट्रंप का समर्थन कर अपनों की आलोचना का भी शिकार हैं राहुल गांधी
- जबकि सांसद शशि थरूर, राजीव शुक्ला, प्रियंका चतुर्वेदी ट्रंप से सहमत नहीं
- कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम भी इस बार राहुल गांधी से अलग राय रखते हैं

अभयानंद शुक्ल
समन्वय सम्पादक

नयी दिल्ली। भारत को दबाव में लेने में विफल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार भारत पर 25 परसेंट का टैरिफ ठोंक ही दिया। हालांकि इसे लागू करने की तारीख एक अगस्त से बढ़ाकर सात अगस्त कर दिया है। आपरेशन सिंदूर के समय से ही भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत ट्रंप लगातार लगभग 30 बार ये बयान दे चुके हैं कि भारत और पाक के बीच जारी लड़ाई को उन्होंने ही रुकवाया। उनका दावा है कि इसके लिए उन्होंने भारत को व्यापार का लालच दिया। इसमें गौर करने वाली बात ये है कि आपरेशन सिंदूर को रोकने की सूचना भारत से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ही अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दे दी। इसके बाद से ही राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ बयानबाजी में लगा हुआ है। अब जब ट्रंप ने भारत पर 25 परसेंट का टैरिफ भी ठोंक दिया है तो एक बार फिर विपक्ष मोदी सरकार पर और हमलावर है। ट्रंप भारत और रूस की व्यापारिक साझेदारी से इतने नाराज़ हैं कि उन्होंने भारत और रूस को भी डेड इकोनॉमी वाला घोषित कर दिया। खबर है कि ताजा बयान में उन्होंने दावा किया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेता ट्रंप और राहुल गांधी से सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि ट्रंप बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। जबकि भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने पर राहुल गांधी ने ट्रंप का समर्थन करते हुए कहा है कि ट्रंप का अनुभव इकोनॉमी के मामले में अच्छा है। ऐसे में अगर उन्होंने कहा है, तो ठीक ही कहा है। राहुल गांधी की इस बात का समर्थन सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी करते हुए कहा है कि अगर ट्रंप कह रहे हैं तो सही ही होगा। ऐसे में आपरेशन सिंदूर, बिहार के एसआईआर के नाम पर मोदी सरकार को घेरने वाले विपक्ष को अब नया हथियार मिल गया है। दुखद यह है कि विपक्ष अपने देश के जिम्मेदारों की बात को दरकिनार कर ट्रंप की बात को प्रचारित करने में लगा है। खैर, इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि राहुल गांधी आजकल डोनाल्ड ट्रंप की कठपुतली के रूप में दिख रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के बयान, जिसमें भारत को डेड इकोनॉमी बताया गया है, पर राहुल गांधी ने कहा है कि ट्रंप ने सबके सामने फैक्ट रखा है। और सच्चाई भी यही है कि मोदी सरकार ने भारत की इकोनॉमी को गहरी चोट पहुंचाई है। ट्रंप के बयान के कुछ देर बाद संसद परिसर में राहुल गांधी ने कहा कि वे राष्ट्रपति ट्रंप के बयान से सहमत हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर हर व्यक्ति यह बात मानता भी है। राहुल गांधी की बात की ताईद करते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का भी कहना है कि अगर ट्रंप कह रहे हैं, तो सही कर रहे होंगे। यानी दोनों नेताओं को ट्रंप की बात पर पूरी तरह विश्वास है। दोनों नेता लगातार इस मुद्दे को उछाल भी रहे हैं। राहुल गांधी की इस बात का समर्थन अखिलेश के अलावा विपक्ष के कई नेताओं ने भी किया है। दूसरी ओर भारत से आयात पर 25 फासदी का टैरिफ लगाने का घोषणा करने के कुछ घंटों बाद ट्रंप ने कहा कि भारत और रूस अपनी बर्बाद इकोनॉमी को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं, पर मुझे इसकी परवाह नहीं है कि भारत, रूस के साथ क्या करता है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके शुल्क बहुत अधिक हैं। दरअसल अमेरिका रूस से कच्चा तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर भारत से नाराज है। और इसीलिए उसने भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। अब एक ताजा दावे में ट्रंप ने कहा है कि अब भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। सूत्रों का कहना है कि ट्रंप ने आपरेशन सिंदूर को रोकवाने का श्रेय लेने की असफल कोशिश के जरिए भारत की नरेंद्र मोदी सरकार पर ट्रेड के लिए दबाव बनाने की गरज से ही बार-बार ये बयान दिया कि उन्होंने ही भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई रोकवाई। जब भारत ने ट्रंप की शर्तों पर ट्रेड समझौता करने से मना कर दिया तो रिएक्शन में ट्रंप ने भारत पर 25 परसेंट टैरिफ लगा दिया है। उनका ताजा बयान इसी बारगेनिंग टैक्टिस का हिस्सा लगता है। हालांकि जानकार बताते हैं कि भारत की इकोनॉमी पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत ने ब्रिटेन के साथ फ्री ट्रेड समझौता कर लिया है। दरअसल ट्रंप भारत और रूस के बढ़ते व्यावसायिक रिश्तों से परेशान हैं। इसी खीझ में उन्होंने भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की है। परंतु ट्रंप के इस बयान ने भारत के विपक्ष को मोदी के खिलाफ बोलने का मौका दे दिया है। विपक्ष का कहना है कि मोदी के फास्ट फ्रेंड ट्रंप ने भारत के साथ गद्दारी की है। खबर यह भी है कि डोनाल्ड ट्रंप के परिवार का भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में अच्छा खासा निवेश है। ऐसे में ट्रंप पर एक सवाल उठता है कि जिस देश की अर्थव्यवस्था को डेड बताकर वे भारत की इकोनॉमी को कमजोर बता रहे हैं, उसी देश में उनका परिवार पैसा क्यों लगा रहा है। उधर कांग्रेस के ही कुछ वरिष्ठ नेताओं और गठबंधन सहयोगियों ने ट्रंप पर जमकर निशाना साधा है। यानी इस मुद्दे पर राहुल गांधी के अपने ही उनको आईना दिखा रहे हैं। इस बाबत कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने कहा है कि नई दिल्ली को वाशिंगटन डीसी की अनुचित मांगों के आगे नहीं झुकना चाहिए। जबकि कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला का कहना है कि ट्रंप क्या कहते हैं, मायने ये नहीं रखता है, मायने ये रखता है कि हमारी इकोनॉमी बीते दस सालों में बहुत मजबूत हुई है। हम चीन की तरह निर्यात पर भी निर्भर नहीं हैं, हमारे पास घरेलू मार्केट है। शिवसेना उद्धव गुट की नेता और सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि भारत की इकोनॉमी विश्व की सबसे तेज बढ़ती हुई इकोनामी है। इसके अलावा कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने भी कहा है कि ट्रंप की बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत ही नहीं है। इस बाबत उत्तर प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम और सांसद दिनेश शर्मा ने कहा है कि इस समय जो भारत का विरोधी है, वह राहुल गांधी का मित्र है। चूंकि यही उनकी फितरत है, ऐसे में उनसे यही उम्मीद भी है।

हमारे पास विकल्पों की कमी नहीं: शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका-भारत ट्रेड डील को चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि यूरोपीय यूनियन से हमारी बात चल रही है। इसके अलावा हमने ब्रिटेन के साथ एक समझौता पहले ही कर लिया है और अन्य देशों के साथ भी बातचीत कर रहे हैं। अगर हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते तो हमें अमेरिका के बाहर अपने बाजारों में विविधता लानी पड़ सकती है। वैसे भी हमारे पास विकल्पों की कमी नहीं है। केरल से सांसद शशि थरूर ने कहा कि अगर अमेरिका अपनी अनुचित मांगों पर अड़ा रहता है तो भारत को भी किसी और तरफ रुख करना चाहिए।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, ट्रंप गलत

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर कहा है कि उनका बयान गलत है, हमारी आर्थिक स्थिति बिल्कुल भी कमजोर नहीं है। ऐसे में अगर कोई यह दावा करता है कि वह हमें आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है, तो यह उसकी गलतफहमी है, ट्रंप भ्रम में जी रहे हैं। राजीव शुक्ला ने अमेरिका-पाक ऑयल डील पर कहा कि पाक के साथ अमेरिका के ऑयल डील को लेकर हमें चिंता करने की जरूरत नहीं है। वैसे भी कोई भी देश यह तय नहीं कर सकता कि हम किसके साथ व्यापार कर सकते हैं, और किसके साथ नहीं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने साधा डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि भारत दुनिया की टॉप पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ऐसे में इसे डेड इकोनॉमी कहना केवल अहंकार या अज्ञानता की स्थिति से ही आ सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारत के सामने आर्थिक चुनौतियां हैं और उसे अभी प्रति व्यक्ति आय पर काम करने की जरूरत है, लेकिन उसकी ये आर्थिक चुनौतियां डेड इकोनॉमी के बराबर तो नहीं हैं। ऐसे में ट्रंप का बयान साफ तौर पर एक मनमाफिक व्यापार समझौता करने की रणनीति है।

डेड नहीं 'डैशिंग' इकॉनमी है भारत

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप खीझ में भारत को डेड इकॉनमी बता रहे हैं। उनके कहने का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था फ़ेल हो चुकी है, और अब वह गर्त को जाने वाली है। जबकि जानकारों का कहना है कि ये न सिर्फ ट्रंप की अज्ञानता है, बल्कि उनकी मूर्खता और घमंड को दर्शाता है। जानकार बताते हैं कि भारत डेड इकॉनमी होने से कोसों दूर है। भारत वर्तमान में वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक रफ़्तार का इंजन है, और आँकड़े इनकी गवाही देते हैं। भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, इसका आकार लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर है। जल्द ही यह जर्मनी को पीछे छोड़ तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। भारत की इकोनॉमी में बढत का सिलसिला बीते 10 वर्षों से लगातार चल रहा है, तथा आगे और भी चलना पक्का है। वर्ष 2015-25 के बीच भारत की औसत जीडीपी दर 6%-6.5% रही है। जबकि इस बीच भारत ने कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध और दूसरे वैश्विक संकट झेले हैं। और भारत के मुकाबले चीन इस दौरान 6% या उससे नीचे की ही रफ़्तार से बढ़ा है। चीन की जीडीपी वृद्धि दर और भी धीमी होती जा रही है। इसके अलावा अमेरिका की इकोनॉमी 1.9% की स्पीड से बढ़ रही है, जबकि भारत की इकोनॉमी 6.4 के रेट से बढ़ रही है। विश्व बैंक का भी कहना है कि भारत विश्व की तेज रफ्तार से बढ़ने वाली इकोनॉमी है।

मुख्यमंत्री योगी के प्रस्तावित दौरे की आहट से बरेली में तेज हुई हलचल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

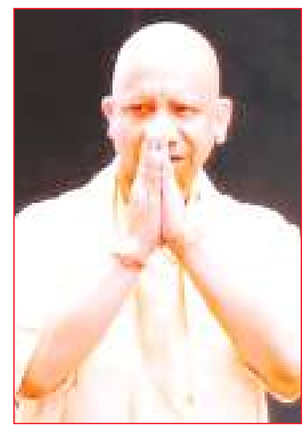

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 6 अगस्त को संभावित दौरे की सुगबुगाहट के साथ ही बरेली जिले के प्रशासनिक अमले में खलबली मच गई है। नगर निगम, बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए), स्मार्ट सिटी लिमिटेड समेत सभी संबंधित विभाग अलर्ट मोड में आ गए हैं। विकास कार्यों की फाइलों को अंतिम रूप देने के साथ-साथ फील्ड निरीक्षण भी तेज कर दिए हैं।

पुलिस-प्रशासनिक अफसरों के साथ नगर निगम व बीडीए के इंजीनियरों की टीमों ने मैदान में डेरा डाल दिया है। विभिन्न स्थलों पर जाकर तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। अधिकारियों को हर स्तर पर कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 174 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई अर्बन हाट अब पूरी तरह बनकर तैयार है। यह हाट बरेली की हस्तशिल्प, बुनकरी और लोक कलाओं को नया मंच प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे और जनता को समर्पित करेंगे। नगर निगम ने सड़क, सीवरेज और स्ट्रीट लाइटिंग से जुड़ी लगभग 100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सूची शासन को भेज दी है। अफसरों की मानें तो ये योजनाएं मुख्यमंत्री के हाथों शिलान्यास के लिए तैयार की गई हैं। नगर निगम की टीमें दिन-रात प्रेजेंटेशन और फाइलों को अंतिम रूप देने में जुटी हैं। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने भी बड़ा प्लान तैयार किया है। करीब 900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में ग्रेटर बरेली टाउनशिप, नई आवासीय योजनाएं और रामायण वाटिका जैसी विशेष योजनाएं शामिल हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री इन योजनाओं का शिलान्यास और प्रस्तुतीकरण कर सकते हैं। नगर निगम के निर्माण विभाग ने 66.33 करोड़ रुपये की योजनाएं मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल कराने को तैयार कर दी हैं। इनमें सीएम ग्रिड योजना (फ़ेज-2) के अलावा 25 लाख रुपये की एक लोकार्पण योजना भी शामिल है, जिसे सीएम के हाथों जनता को समर्पित कराने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी के आगमन से पहले बरेली शहर को दुल्हन की तरह सजाने की तैयारी है। नगर निगम और बीडीए की टीमें शहर की सड़कों की मरम्मत, सफाई, पौधरोपण और सजावट में जुट गई हैं। प्रमुख चौराहों पर एलईडी लाइट्स, वॉल पेंटिंग्स और लैंडस्केपिंग का काम तेजी से किया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी चल रही है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

बड़ी गंडक नदी में बाढ़, 150 लोगों पर बेघर होने का खतरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुशीनगर । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में बड़ी गंडक नदी के निशाने पर रहे महदेवा खास टोला के लोगों ने पिछले वर्ष किसी तरह बाढ़ की त्रासदी झेल ली थी। इस बार बिना बाढ़ के इस टोला के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। नदी का पानी आबादी के समीप पहुंचने से लोगों की नींद उड़ गई है। पिछले 20 दिनों से जलस्तर चेतावनी बिंदु के आसपास रहा है,लेकिन कहीं कटान नहीं हो रही है। अचानक नदी की धारा महदेवा खास टोला की तरफ मुड़ने लगी है। इससे 30 परिवारों की लगभग डेढ़ सौ आबादी के बेघर होने का डर सताने लगा है। पिछले वर्ष नदी व आबादी के बीच 10 मीटर का फासला रह गया था तो महदेवा खास टोला के लोगों ने भय के साए में बाढ़ को झेला था। उस दौरान अधिकारियों ने इस टोला को कटने से बचाने के लिए तरह-तरह के वादे किए थे। लेकिन संकट टलने के बाद कोई पूछने नहीं गया।अब नदी के बदले रुख ने आबादी पर संकट खड़ा कर दिया है। इस गाँव के सुन्नर, शंकर मल्लाह, रामप्रवेश, महातम, सोहबर, महावीर आदि के घर नदी के निशाने पर आ गए हैं। इन लोगों ने बताया कि पिछले वर्ष से ही कटान का संकट चल रहा है। बाढ़ के दौरान प्रशासनिक व विभागीय अधिकारी दौरे पर आए थे।उनके समक्ष हम लोगों ने अपनी परेशानियों को रखा था और दर्द भी सुनाया था। उन्होंने आश्वासन दिया था कि समस्या का समाधान कराया जाएगा। बाढ़ के समापन के बाद अधिकारी इधर झांकने भी नहीं आए। नदी में पानी कम होने के बाद धारा दूसरी ओर मुड़ गई थी। इस संबंध में मनोरंजन कुमार एसडीओ बाढ़ खंड विभाग ने बताया कि जनपद में अभी ठीकठाक वर्षा नहीं हुई है। लेकिन नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा के बाद वाल्मीकिनगर बैराज से बड़ी गंडक नदी में डिस्चार्ज बढ़ाया जा रहा है। इससे नदी का जलस्तर बढ़ रहा तो रुख भी परिवर्तित हो रहा है। इधर एक सप्ताह से अचानक धारा परिवर्तित होकर आबादी की तरफ रुख कर ली है। नदी की तेज धारा महदेवा खास के समीप नहीं है और न ही कटान हो रहा है। वहां के लोगों को डरने की जरूरत नहीं है।

111.55 लाख की चार सड़क परियोजना का राज्यमंत्री ने किया शिलान्यास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित/मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रुपये 111.55 लाख की लागत की चार सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से वार्ड अहियापुर में स्टेशन मार्ग से बुआ जी हॉस्पिटल होते हुए डॉ. मंजू के मकान तक नाली व इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य अनुमानित लागत रुपये 23.77 लाख, वार्ड अहियापुर में आशा सिंह के मकान से शैलेन्द्र यादव, अजय यादव के मकान से होते हुए रामदुलार के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रुपये 24.61 लाख, वार्ड अहियापुर में सर्विस स्टेशन के आगे सुरेन्द्र रावत के मकान से होरीलाल, रघुवीर गुप्ता के मकान तक एवं लालू भूषा की दुकान से राजेन्द्र के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रुपये 28.68 लाख, गुलरघाट में बेनी प्रसाद की दुकान के सामने से बदलापुर पड़ाव तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत रु. 34.49 लाख से किया जायेगा। शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से डॉ. रामसूरत मौर्य, मनीष श्रीवास्तव, प्रवीन कुमार सिंह, नंदलाल यादव, शिवशंकर यादव, जय सिंह व सचिन पांडेय सहित आदि लोग मौजूद रहे।

प्रयागराज में गंगा-यमुना नदियों ने खतरे का निशान किया पार, 13 गांवों का आवागमन प्रभावित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज त्रिवेणी संगम में मां गंगा एवं यमुना उफान पर हैं। शनिवार को दोनों नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार हो गया है। कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। राहत कार्य के साथ प्रशासन और बाढ़ चौकियां सक्रिय हैं। कई शिविरों में लोग शरण लिए हुए हैं। जिले में बाढ़ के बढ़ते खतरे को लेकर जिलाधिकारी मनीष वर्मा हर एक घंटे का अपडेट ले रहें है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों नाव, एनडीआरएफ की टीमें लगी हुई हैं। जिला सूचना विभाग की ओर से शनिवार को सुबह 10 बजे बाढ़ को लेकर जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि गंगा के फाफामऊ घाट पर 84.76 मीटर जलस्तर पहुंच गया है। नैनी में यमुना का जलस्तर 84.78 मीटर पर पहुंच गया है। प्रयागराज से वाराणसी की ओर गांव का जलस्तर 84.13 मीटर है। जबकि प्रयागराज में खतरे का लेबल 84.734 मीटर पार निर्धारित है। सभी बांध सुरक्षित है। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) हर्षिका सिंह ने बताया कि शनिवार को गंगा एवं यमुना का जल स्तर खतरे का निशान पार कर गया है। इससे कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें सक्रिय हैं और राहत कार्य के साथ लोगों को राशन किट के साथ बुनियादी चीजें उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रयागराज के सदर तहसील के 33 मोहल्ले हैं, जिनमें कछार मऊ, सरैया, राजापुर देह माफी, असदुल्लापुर मो.बाद, बेली कछार, बेली उपरहार, बघाडा जहरूद्दीन, बघाडा बालन, मेहदौरी कछार, शिवकुटी, चांदपुर सलोरी उपरहार, सादियाबाद कछार, चिल्लापटटी, अराजी बारूद खाना कछार, आराजी जोधवल, अराजी बारूद खाना उपरहार, गोविंदपुर, चांदपुर सलोरी कछार, बकशी उपरहार, बकशी कछार, बभनपटटी कछार, बराही पटटी कछार, मुस्तफा बाद मुंस्कसमा, सराय मौज उर्फ कीडगंज, बखतियारा, दरियाबाद, मेहदौरी उपरहार, म्योराबाद, नकौली कछार, कछार भिखी सराय, नकौली उपरहार, नेवादा है। इसी तरह फूलपुर तहसील के तीन गांव सोनौटी, बदरा, धोकरी के गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। करछना तहसील के दो गांव देहली भगेसर, हथसरा, सोरांव तहसील के फाफामउ, गंगानगर, मेजा तहसील के झरियारी, अमिलिया खुर्द गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। गंगा युमना में उफान से आई बाढ़ के चलते अभी तक जो गांव प्रभावित हुए हैं उनके 431 परिवारों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।इन परिवारों की संख्या की बात की जाए तो 1495 लोग शिविरों में शरण लिए हुए हैं। अन्य स्थानों पर 1495 लोग रह रहे हैं। वहीं बाढ़ के पानी से अभी तक फसल नष्ट होने की सूचना नहीं है। जबकि बाढ़ से 13 गांवों का आवागमन प्रभावित हुआ है। चिन्हित बाढ़ राहत शिविर के लिए सदर में 26 स्थान, सोरांव में 7 स्थान, फूलपुर में 13 स्थान, करछना में 20 स्थान, मेजा में 11 स्थान, बारा में 9 स्थान, कोरांव में 3 स्थान हैं। इस तरह कुल 95 शिविर बनाने के लिए स्थान निर्धारित किया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए कुल 23 नावें चलाई जा रही हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों का कमिश्नर और डीआईजी ने किया निरीक्षण

- जनप्रतिनिधियों ने राशन किट देकर प्रभावित परिवारों को दी राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में यमुना नदी में बढ़ते जलस्तर के कारण कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। इस संकट की स्थिति में जिला व पुलिस प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों ने मिलकर राहत और बचाव कार्यों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में शनिवार को कमिश्नर और डीआईजी ने डीएम, एसपी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर बाढ़ प्रभावित गांवों और राहत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जिले की कालपी तहसील के कई गांव यमुना नदी के बढ़ते पानी से जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की स्थिति को देखने कमिश्नर विमल दुबे और डीआईजी ने प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण भी किया। उन्होंने न केवल बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया, बल्कि राहत शिविरों, स्वास्थ्य सेवाओं और कम्युनिटी किचन की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। कमिश्नर विमल दुबे और डीआईजी ने प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार है। कमिश्नर ने कहा कि राहत शिविरों में खाद्य सामग्री, पीने का पानी, दवाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार सक्रिय हैं। स्वास्थ्य शिविरों में बाढ़ से होने वाली बीमारियों जैसे डायरिया, त्वचा संक्रमण और अन्य समस्याओं का इलाज किया जा रहा है। साथ ही, कम्युनिटी किचन के माध्यम से प्रभावित लोगों को गर्म भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। कमिश्नर ने कहा कि सरकार की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। टीमों को चेताया कि राहत कार्यों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीआईजी केशव चौधरी ने भी पुलिस टीमों को निर्देश दिए कि वे लोगों की सुरक्षा और राहत सामग्री के सुरक्षित वितरण का ध्यान रखें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन के त्वरित कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि सभी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने यह भी मांग की कि बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त घरों और फसलों के मुआवजे का शीघ्र निपटारा किया जाए।